● सीधी, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 73, पृष्ठ : 08, सीधी, बुधवार, 17 अप्रैल 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

हक की बात, बुलंदी के साथ

विन्ध्य टाइगर

लोस चुनाव के पहले मायावती को बड़ा झटका 5

दिनेश कार्तिक बने टी20 वर्ल्ड कप के दावेदार 6

विकसित भारत, विकसित बिहार के संकल्प का है यह चुनाव: पीएम

पीएम मोदी बोले- बाबा साहब भी संविधान को नहीं बदल सकते तो हमारी हिम्मत कैसे?

गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को देशभर में पांच रैलियां करने निकले। गया में उन्होंने इसकी जानकारी देते हुए प्रोटोकॉल भी तोड़ा और माफी भी मांगी। उन्होंने डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा की जगह खुद माइक संभाल ली। फिर गया और महात्मा बुद्ध की धरती को नमन करते हुए उन्होंने संविधान, राम मंदिर और शक्ति की उपासना पर बात करते हुए विपक्ष को आड़े हाथ लिया। उन्होंने लालटेन युग की भी बात की और विकास की तस्वीरें भी दिखाई। इस दौरान उत्साहित लोगों को उन्हें कई बार मोदी-मोदी का नारा लगाने से रोकना भी पड़ा, हालांकि खुद भी उन्होंने कई बार लोगों से अपने अंदाज में सवाल-जवाब भी किया।

प्रधानमंत्री ने पहुंचते ही कहा- विश्व विख्यात ज्ञान और मोक्ष की पवित्र नगरी गया जी के हम प्रणाम करहि। भगवान विष्णु की धरती, भगवान बुद्ध के तपस्थली के हम नमन करहि। यह वह धरती है, जिसने मगध का ऐश्वर्या देखा है, जिसने बिहार का वैभव देखा है। उन्होंने नवरात्र के साथ सम्राट अशोक की भी चर्चा की। कहा- संयोग से आज जब मैं गयाजी आया हूं तो नवरात्रि भी है और आज ही सम्राट अशोक की जयंती भी है।

सदियों बाद आज एक बार फिर भारत और बिहार अपने उस प्राचीन गौरव की वापसी के लिए आगे बढ़ रहा है। इसे चुनाव से जोड़ते हुए उन्होंने कहा- यह चुनाव विकसित भारत, विकसित बिहार के संकल्प का चुनाव है। गया की धरती पर उमड़ा यह जनसैलाब और आपका यह उत्साह साफ बता रहा है- फिर एक बार? फिर एक बार? फिर एक बार? जवाब मिला- मोदी सरकार। इसके बाद उन्होंने पूछा- 4 जून, 4 जून, 4 जून? जवाब मिला- 400 पार। मोदी गया में लोगों के उत्साह से अभिभूत नजर आए। उन्होंने कहा- मैं जब एयरपोर्ट से यहां आ रहा था तो लोग पैदल यहां पहुंचने के लिए चलते दिखे। हो सकता है कि मेरा भाषण पूरा होने तक वह सब शायद नहीं पहुंच सकें। यह प्यार और आशीर्वाद मैं कभी भूल नहीं सकता हूं। गया और औरंगाबाद ने आज घोषणा कर दी है- फिर एक बार? फिर एक बार?

पीएम मोदी ने संविधान बदलने के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि स्वयं बाबा साहब अंबेडकर भी इस संविधान को नहीं बदल सकते तो भाजपा इसकी हिम्मत कैसे कर सकती है! इन्हें पता होना चाहिए कि यह जो संविधान सभा थी, देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद उसका नेतृत्व करते थे। बाबा साहब का दिल, दिमाग और कलम इस संविधान को शब्दों में ढाल रहा था। देश के गणमान्य लोग विचार-विमर्श करते हुए भावनाओं को समझते हुए इसका निर्माण किया। उन्होंने कहा कि संविधान की ताकत के कारण ही आज मोदी इस जगह पर है। यह संविधान नहीं होता तो कभी ऐसे पिछड़े परिवार में पैदा हुआ गरीब का बेटा देश का प्रधानमंत्री नहीं बन सकता था।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और उसके साथियों ने दशकों तक गरीबों को रोटी-मकान के सपने दिखाए और चार करोड़ गरीबों को पक्के मकान दिए एनडीए सरकार ने। हमारे साथी जीतन राम मांझी साक्षी हैं कि कैसे दलितों, वंचितों और पिछड़ों के नाम पर कांग्रेस और राजद ने सिर्फ अपना राजनीतिक स्वार्थ साधा है। दलितों-वंचितों-पिछड़ों को अधिकार और सम्मानपूर्ण जीवन एनडीए ने दिया है। उन्होंने कहा कि अगले 5 वर्षों के लिए मोदी का गारंटी कार्ड अपडेट हो गया है। गरीबों के लिए तीन करोड़ पक्के घर बनाए जाएंगे, यह मोदी की गारंटी है। गरीबों को अगले 5 साल तक मुफ्त राशन मिलेगा, यह मोदी की गारंटी है। 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को पांच लाख तक का मुफ्त इलाज मिलेगा, यह मोदी की गारंटी है। किसान सम्मान निधि आगे भी जारी रहेगी, यह मोदी की गारंटी है।

पथराव, गोलीबारी गुजरे वक्त की बात, अब अंतिम सांसें गिन रहा आतंकवाद: शाह

जम्मू। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जम्मू के पलौड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अब जम्मू कश्मीर में पथराव और गोलीबारी गुजरे समय की बात बन गए हैं। अब प्रदेश में आतंकवाद अंतिम सांसें गिन रहा है।

शाह ने कहा, पीएम मोदी के कार्यकाल के 10 साल में जम्मू-कश्मीर को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। एक जमाना था, जब ऐसे जलसे की कल्पना ही नहीं कर सकते थे। पथराव होता था, गोलीबारी होती थी, बम धमाके होते थे, पाकिस्तान से हड़ताल का ऐलान किया जाता था और 370 का साया पूरे जम्मू-कश्मीर पर छाया था। आज 370 समाप्त हो गई है, आतंकवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है और जो युवा पथराव कर रहे थे, उन युवाओं के हाथ में लैपटॉप है। अमित शाह ने कहा, श्यामा प्रसाद ने नारा दिया था, एक देश में दो विधान, दो प्रधान व दो निशान नहीं चलेगा। आज जम्मू कश्मीर से 370 समाप्त हो गया है। पूरे देश की तरह यहां भी आन-बान-शान के साथ हमारा तिरंगा गगन छू रहा है। बहुत कठिन दौर से संघर्ष करके भाजपा के नेता जम्मू-कश्मीर की कश्ती को बाहर निकाल कर लाए हैं।

उन्होंने कहा कि जम्मू में पैर रखते ही भाजपा कार्यकर्ता के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। ये याद करके कि भाजपा के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने यहीं बलिदान दिया था।

शाह ने कहा, फारूक अब्दुल्ला कहते थे कि नरेंद्र मोदी 10 बार प्रधानमंत्री बन जाएं, लेकिन अनुच्छेद 370 नहीं हटा सकते। लेकिन दूसरी बार के कार्यकाल में ही जम्मू-कश्मीर से 370 हटा दिया गया है।

शाह ने महबूबा मुफ्ती को घेरते हुए कहा, महबूबा कहती थीं कि अगर 370 हटा तो तिरंगे को कोई कंधा देने वाला नहीं होगा। आप और मैं तो चले जाएंगे लेकिन तिरंगा तो अजर है, अमर है... हमेशा रहने वाला है।

उन्होंने कहा कि नेकां-पीडीपी कहते थे कि गुज्जर और बकरवाल का आरक्षण काट दिया जाएगा, लेकिन उनके आरक्षण से बदलाव किए बिना पहाड़ी समुदाय को आरक्षण दिया गया है।

चुनावी बॉन्ड योजना समाज का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार: मनीष

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में चुनावी बॉन्ड योजना को लेकर विपक्षियों पर जमकर निशाना साधा था। अब उनकी टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने बुधवार को आरोप लगाया कि यह योजना सबसे संस्थागत भ्रष्टाचार है, जिसे लोकतंत्र में अंजाम दिया जा सकता है।

इस दौरान तिवारी ने योजना को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि जब साल 2017 में इस योजना को लाया गया था तब हमने इसका

पूरी तरह से विरोध किया था क्योंकि इसमें कोई पारदर्शिता नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इस बात को सिद्ध करता है कि चुनावी बॉन्ड योजना अपारदर्शी थी। इस मामले में पैसे लेने वाले और देने वाले दोनों का पता नहीं चल पाया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से यह साबित हो चुका है कि एक तरफ ईडी और सीबीआई जाते हैं और दूसरी तरफ चुनावी बॉन्ड आते हैं।

उन्होंने आगे कहा, चुनावी बॉन्ड योजना सबसे संस्थागत भ्रष्टाचार है, जिसे लोकतंत्र में अंजाम दिया जा सकता है। मैं शुक्रगुजार हूं कि सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। इसके अलावा, तिवारी ने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी एक बहुत ही गंभीर नेता हैं और भाजपा उन्हें नियमित रूप से निशाना बनाती है क्योंकि वे उनसे डरते हैं।

मनीष तिवारी ने आगे कहा, किसी ने तीन हजार किलोमीटर पैदल चलकर इस देश के दुख-दर्द को समझने की कोशिश की है।

बिहार में गर्म हवाओं ने झुलसाया

नई दिल्ली। बिहार के कुछ हिस्सों में सोमवार को लू की स्थिति बनी रही। मौसम कार्यलय ने बताया कि राज्य के कम से कम नौ जिलों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। मौसम विभाग ने कहा कि अगले कुछ दिनों में बिहार के कई हिस्सों में भीषण गर्मी जारी रहेगी।

शेखपुरा जिले में उच्चतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। औरंगाबाद में 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

केंद्रीय एजेंसियों की जांच पर ममता ने की श्वेत पत्र की मांग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने केंद्रीय एजेंसियों की तरफ से की गई जांच को लेकर श्वेत पत्र की मांग की है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि टीएमसी पर आरोप लगाने से पहले उन्हें खुद को आईने में देखना चाहिए। जलपाईगुड़ी जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता ने बताया कि एक टीएमसी ही है जो भाजपा से अकेले लड़ रही है। सीपीआई(एम) और कांग्रेस तो

केवल भाजपा की मदद कर रहे हैं।

श्वेत पत्र की मांग करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, बंगाल में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए भाजपा ने 300 केंद्रीय एजेंसियों की टीमों को भेजा था। लेकिन उन्हें कुछ भी नहीं मिला। अब प्रधानमंत्री को बंगाल के लोगों को यह बताना होगा कि मनरेगा फंड का क्या हुआ? गरीबों ने इस परियोजना के तहत काम तो किया, लेकिन उन्हें इसके बदले में कुछ भी नहीं दिया गया। टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने आगे कहा, पीएम टीएमसी को भ्रष्ट कहते हैं। उन्हें ये कहने से पहले खुद को आईने में देखना चाहिए। उनकी पार्टी में डकैत भरे हुए हैं। उन्होंने भाजपा को बंगाली विरोधी पार्टी बताया है। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी एनआरसी की आड़ में दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को बाहर निकालने की योजना बना रही है।

भोपाल की बेटी छाया सिंह का यूपीएससी में चयन

भोपाल। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मंगलवार को सिविल सर्विसेस परीक्षा-2023 के रिजल्ट घोषित कर दिए है। इसमें भोपाल की छाया सिंह ने 65वीं रैंक पाई है। छाया सिंह आईएएस अधिकारी छोटे सिंह की बेटी है। छोटे सिंह वर्तमान में राजस्व मंडल ग्वालियर में अपर आयुक्त के पर पदस्थ है। छाया सिंह ने यूपीएससी के चौथे प्रयास में सफलता प्राप्त की है। इसके अलावा भोपाल के दो संगे भाई सचिन गोयल और समीर गोयल का भी यूपीएससी में चयन हुआ है।

सलमान के घर के बाहर फायरिंग के दोनों आरोपी गुजरात से गिरफ्तार

मुंबइ। अभिनेता सलमान खान के मुंबई स्थित आवास के बाहर गोली चलाने के दोनों आरोपी गुजरात के भुज से गिरफ्तार कर लिए गए हैं। मामले की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम को यह बड़ी सफलता देर रात मिली। खबर के मुताबिक गुजरात पुलिस की टीम ने पश्चिमी कच्छ से दोनों को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। मुंबई क्राइम ब्रांच दोनों आरोपियों को लेकर मंगलवार सुबह रवाना होगी। दोनों से मुंबई में पूछताछ की जाएगी। बता दें कि अभिनेता सलमान के आवास के बाहर बाइक पर सवार दो लोगों ने रविवार को फायरिंग की थी। इस मामले में गैंगस्टर लॉरेंस विश्ननोई से जुड़े लोगों का नाम भी सामने आया है। सलमान खान से जुड़े एक अन्य अहम घटनाक्रम में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, शूटरों ने कुछ दिन पहले बांद्रा में सलमान के आवास गैलेक्सी अपार्टमेंट की रेकी की थी। पुलिस को संदेह है कि अनमोल ने फेसबुक पोस्ट डालने के लिए वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) का इस्तेमाल किया था। पुलिस के मुताबिक बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर फायरिंग की जिम्मेदारी लेने वाली धमकी भरी फेसबुक पोस्ट गैंगस्टर लॉरेंस के भाई अनमोल ने पुर्तगाल से की थी।

सरकार में आए तो चाय बागान श्रमिकों की बढ़ाएंगे दिहाड़ी : प्रियंका

टिटाबोर। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार को जोरहाट लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी गौरव गोगोई के समर्थन में चुनाव का प्रचार करने के लिए असम पहुंचीं। वाड्रा ने जिले के टिटाबोर में एक घंटे के एक रोड शो कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के जीतने पर चाय बागान श्रमिकों की दिहाड़ी बढ़ाई जाएगी।

रोड शो के दौरान कांग्रेस नेता ने दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी संविधान को बदलना चाहती है और अगर ऐसा होता है तो देश के आम लोगों को सबसे ज्यादा नुकसान

होगा। उन्होंने कहा, दो-तीन साल पहले विधानसभा चुनाव से पहले मैं असम आई थी, तब चाय बागानों का दौरा किया था। उस समय यह वादा किया था कि अगर कांग्रेस सरकार बनती है तो हम मजदूरी बढ़ाएंगे। हालांकि, आपने भाजपा को चुना और मजदूरी नहीं बढ़ाई गई। वाड्रा ने आगे कहा, मैं आपको फिर बता रही हूं कि हमारे घोषणापत्र में केंद्र में सरकार बनाने पर चाय बागान श्रमिकों की मजदूरी बढ़ाने की गारंटी दी गई है। इसके अलावा उन्होंने यह भी दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी अगर तीसरी बार सत्ता में आती है तो वह भारतीय संविधान को बदल देगी और अधिकारों में कटौती के बाद आम आदमी को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ेगी। गोगोई का समर्थन करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जब भाजपा नेता प्रचार करने आते हैं तो वे फालतू मुद्दों के बारे में बात करते हैं। हालांकि गौरव गोगोई ने हमेशा लोगों के मुद्दों को उठाया है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि बेरोजगारी चरम पर है, लेकिन पीएम ने हाल के एक साक्षात्कार में केवल दो बार ही इस पर बोला। उन्होंने कहा, अगर आप महंगाई को नियंत्रित करना चाहते हैं तो कांग्रेस को वोट दें।

देश को मजबूत, अनुभवी और वैश्विक समझ वाले नेता की आवश्यकता: जयशंकर

बंगलूरू। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले सियासी दलों के नेता मतदाताओं को रिझाने की हर मुमकिन कोशिशों में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में भाजपा के लिए प्रचार कर रहे विदेश मंत्री एस जयंशकर ने कहा कि देश को आने वाले वर्षों में मजबूत, अनुभवी और वैश्विक समझ वाले नेता की आवश्यकता है। इसके लिए उन्होंने इस्राइल-हमास युद्ध और रूस-यूक्रेन संघर्ष का हवाला दिया। जयशंकर ने कहा, यह बहुत जरूरी है कि हमारे पास एक बहुमत वाली

सरकार हो जो साहसिक कदम उठाना जारी रखे। जो बड़ा सोचने में सक्षम हो। जो योजनाओं के जरिए गरीबों की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम हो और युवाओं की उम्मीदों को भी पूरा करे ताकि हम पीछे न रहें। उन्होंने कहा, आज यूक्रेन में एक युद्ध है। इस्राइल-गाजा में एक संघर्ष है। हम लाल सागर क्षेत्र में तनाव देख रहे हैं। इसलिए आने वाले साल काफी मुश्किल भरे होने जा रहे हैं। ऐसे समय के लिए हमें एक अनुभवी नेता की जरूरत है।

झरोखा

पूरा देश इस समय मोदीमय हो चुका है: मोहन यादव

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नामांकन किया दाखिल

शिवपुरी। नाम निर्देशन पत्र भरने से पहले गुना से शिवपुरी तक रोड शो में जोरदार स्वागत सिंधिया और अन्य भाजपा नेताओं का किया गया। इस दौरान शिवपुरी शहर में रोड शो में मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा प्रदेश वीडी शर्मा, पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान सहित अन्य भाजपा नेता इस रोड शो में मौजूद रहे। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। शहर में जगह पर फूल माला से स्वागत किया गया। कई जगह पर ढोल धमाका के साथ इस रोड शो का स्वागत किया गया। नाम निर्देशन पत्र भरने के बाद स्थानीय पोलो ग्राउंड मैदान पर एक आमसभा हुई, जिसमें सभी भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने इसे संबोधित किया। स्थानीय पोलो ग्राउंड में आयोजित आमसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि इस समय पूरा देश मोदीमय हो चुका है। मोहन यादव ने कहा कि आज नाम निर्देशन पत्र भरने के दौरान कार्यकर्ताओं का जोश देखकर यह तय हो चुका है कि परिणाम आ गए हैं और यहां पर ऐतिहासिक जीत हमारे प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया की होने वाली है।

भाजपा की सूची में यूपी के दो समेत सात उम्मीदवारों के नाम

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की एक और सूची जारी कर दी है। सूची में सात उम्मीदवारों का एलान किया गया है। इसमें महाराष्ट्र की एक लोकसभा सीट के अलावा पंजाब की तीन, उत्तर प्रदेश की दो और पश्चिम बंगाल की एक सीट पर उम्मीदवार उतारा है। बड़ी बात यह है कि यूपी की जिन दो सीटों पर उम्मीदवारों का एलान किया गया है, उनमें देवरिया और फिरोजाबाद शामिल हैं। प्रदेश में बृजभूषण शरण सिंह की सीट कैसरगंज पर पार्टी ने अब तक कोई फैसला नहीं लिया है।

सूची के मुताबिक, महाराष्ट्र की सतारा लोकसभा सीट से छत्रपति उदयनराजे भोंसले, पंजाब में खडूर साहिब से मंजीत सिंह मन्ना मियाविंड, होशियारपुर (अजा) से अनिता सोम प्रकाश और बठिंडा से परमपाल कौर सिद्धू (पूर्व आईएएस) को टिकट दिया गया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश की देवरिया सीट से शशांक मणि त्रिपाठी और फिरोजाबाद सीट से ठाकुर विश्वदीप सिंह को चुनावी मैदान में उतारा गया है। इसके साथ पश्चिम बंगाल की डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से भाजपा ने अभिजीत दास (बॉबी) को टिकट दिया है। यहां उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और मौजूदा सांसद अभिषेक बनर्जी से होगा।

यूपी के जिन दो सीटों पर पार्टी ने उम्मीदवार उतारे हैं, वहां पिछले लोकसभा चुनाव में उसकी जीत हुई थी। देवरिया में पार्टी ने मौजूदा सांसद रमापति राम त्रिपाठी का टिकट काट दिया है। उनकी जगह शशांक मणि त्रिपाठी को चुनावी मैदान में उतारा गया है। शशांक के पिता प्रकाश मणि त्रिपाठी सांसद रह चुके हैं। इसके अलावा फिरोजाबाद लोकसभा सीट से मौजूदा चंद्र सेन जादौन का टिकट भी काट दिया गया है। उनकी जगह पार्टी ने क्षत्रीय चेहरे ठाकुर विश्वदीप सिंह पर दांव लगाया है। युपी की जिन 75 सीटों पर भाजपा चुनाव लड़ रही है, उनमें से सिर्फ रायबरेली और कैसरगंज सीट पर प्रत्याशी घोषित होना बाकी है। कहा जा रहा है कि रायबरेली में कांग्रेस उम्मीदवार के एलान के बाद भाजपा अपने पत्ते खोलेगी। वहीं, कैसरगंज में मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को लेकर सस्पेंस अब भी बरकरार है। हालांकि, बृजभूषण चुनाव प्रचार शुरू कर चुके हैं। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की सभी 42 सीटों पर उम्मीदवार तय कर दिए हैं। इस बार डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से भाजपा ने अभिजीत दास (बॉबी) को टिकट दिया है। यहां उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और मौजूदा सांसद अभिषेक बनर्जी से होगा। पार्टी इससे पहले बाकी 41 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुकी है।

सूची में पंजाब की तीन लोकसभा सीट के लिए भी उम्मीदवारों का एलान कर दिया गया है। बठिंडा सीट से पार्टी ने पूर्व आईएएस परमाल कौर सिद्धू को अपना उम्मीदवार बनाया है। सिद्धू ने हाल ही में इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थामा था। उनके इस्तीफे को लेकर विवाद भी हुआ था, जब पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा था कि अब तक उनका इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ है। ऐसे में वह किसी पार्टी में शामिल नहीं हो सकते। परमाल कौर सिद्धू अकाली नेता सिकंदर सिंह मलुका की बहू हैं। बठिंडा में उनका मुकाबला अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल से हो सकता है। 2019 में हरसिमरत यहां से जीतीं थीं। आम आदमी पार्टी ने

इसके साथ ही होशियारपुर सीट से पार्टी ने मौजूदा सांसद सोम प्रकाश का टिकट काटकर उनकी पत्नी अनीता सोम प्रकाश को उम्मीदवार बनाया है। सोम प्रकाश फिलहाल मोदी सरकार में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री हैं। इसी तरह खडूर साहिब सीट से पार्टी ने मंजीत सिंह मन्ना मियाविंड को उम्मीदवार बनाया है।

इंडियन रेडक्रॉस सिंगरौली द्वारा संचालित बालिका खुला आश्रय गृह के माध्यम से आठ बालिकाओं का भविष्य सवारा गया

सिंगरौली। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी सिंगरौली द्वारा संचालित बालिका खुला आश्रय गृह, सम्बद्ध महिला एवं बाल विकास विभाग, में जिले के बेसहारा बालिकाओं को उत्पीड़न और शोषण से सुरक्षा के प्रति जागरूक, उनको पोषण, शिक्षण एवं कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान कर समाज के मुख्य धारा में जोड़ने का कार्य किया जा रहा है । इस आश्रय गृह में ऐसे परिवार के बालिकाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है जिनके माता-पिता नशे में धुत्त रहते हैं और बच्चे की देख रेख नही करते है। निराश्रित बालिकाओं, बाल श्रमिक, असहाय बच्चें जिनका मजबूरी का फायदा उठाकर अमानवीय व्यवहार किया जाता है। ऐसी बालिकाओं को इस गृह में लाकर उनको प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य किया जाता है । बालिकाओं को निजी वाहन से सुबह उनके घर से आश्रय गृह तक लाना एवं शाम को सुरक्षित उनके घर तक वापस पहुंचाने का कार्य सुचारू रूप से किया जाता है । उसके पश्चात उनके चहुंमुखी विकास, पुनर्वास के लिए उनको निःशुल्क पोषणयुक्त भोजन, पौष्टिक आहार, शिक्षण एवं कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर समाज के मुख्य धारा में जोड़ने तथा काउंसलिंग के माध्यम से बच्चों को सही राह पर चलने और शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने का कार्य किया जाता है। जिससे उनके भविष्य को और बेहतर एवं स्वावलंबी बनाया जा सके । इसी तारतम्य में जिला मुख्यालय स्थित रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष एवं कलेक्टर के दिशा-निर्देशन एवं चेयरमैन एस डी सिंह के मार्गदर्शन में तथा सचिव डॉ. डी के मिश्रा के संरक्षण में एवं बाल कल्याण समिति के पदाधिकारीगण के अनुमति तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सौजन्य से बालिका खुला आश्रय गृह में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही 8 बालिकाओं को उनके छह माह प्रशिक्षण प्रदान करने उपरांत उनको यूनिफार्म व किताबें उपलब्ध कराकर सूरज पब्लिक स्कूल, तेलगवां में उनका दाखिला कराया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया गया । साथ ही सूरज पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर गोपाल दास दुबे के द्वारा बालिकाओं का स्वागत किया गया एवं बताया गया की आठ बालिकाओं को निःशुल्क शिक्षा हमारे विद्यालय में उपलब्ध कराया जाएगा । इसके साथ ही बालिका खुला आश्रय गृह के सेवायुक्तों द्वारा समय-समय पर बालिकाओं का फॉलो अप भी किया जाता है तथा उनके आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए वचनबद्ध है । इस पुनीत कार्य के लिए आश्रय गृह के कोऑर्डिनेटर शिरीन, सोशल वर्कर अर्चना पाण्डेय, वंदना तिवारी ब्रिज कोर्स टीचर, रश्मी सिंह एवं रोशनी तिवारी आउटरीच वर्कर के द्वारा बालिकाओं को प्रेरित कर उनको समाज के मुख्य धारा में जोड़ने का कार्य किया जा रहा है ।

17 अप्रैल की शाम 6 बजे से थम जायेगा चुनावी शोर गुल

सिंगरौली। लोकसभा निर्वाचन का चुनावी शोर गुल मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व बुधवार 17 अप्रैल की शाम 6 बजे से थम जायेगा। इस अवधि के बाद चुनाव लड रहे उम्मीदवार या राजनैतिक दल अपने चुनावी प्रचार के लिए न तो जुलूस एवं आम सभायें आयोजित कर सकेंगे और न ही लाउड स्पीकर का उपयोग कर सकेंगे। इन 48 घण्टो के दौरान उम्मीदवार केवल घर-घर जाकर ही मतदाताओं से संपर्क कर सकेंगे। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के मुताबिक मतदान के बंद होने के ठीक पूर्व के अड़तालीस घण्टो के दौरान सार्वजनिक सभाओं, लाउड स्पीकर और जुलूस पर प्रतिबंध रहेगा। इस कालावधि के दौरान उम्मीदवारों द्वारा निर्वाचन के संबंध में कोई जूलूस एवं सार्वजनिक सभा आयोजित नही की जा सकेगी और न ही इस तरह की किसी सभा या जुलूस में वो शामिल हो सकेगा अथवा संबोधित कर सकेगा। चल चित्र-यंत्र टेलीविजन या अन्य इसी प्रकार के यंत्र या उपकरणों के माध्यम से भी निर्वाचन संबंधी मामले का जनसाधारण को प्रदर्शन इस दौरान प्रतिबंधित रहेगा। निर्वाचन आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि मतदान समाप्त होने के पूर्व के 48 घंटों के दौरान उम्मीदवारों या राजनैतिक दलों द्वारा जनसाधारण को आकर्षित करने की दृष्टि से किसी संगीत गोष्ठी, नाट्यअभिनय या अन्य मनोरंजन आमोद-प्रमोद का आयोजन करके अथवा आयोजन की व्यवस्था करके निर्वाचन संबंधी मामले का प्रचार नही किया जा सकेगा। आयोग ने चेतावनी भी दी है कि यदि इन प्रतिबंधों का उल्लंघन किसी व्यक्ति द्वारा किया जाता है तो उसके विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई की जायेगी और उसे दो वर्ष के कारावास या जुर्माने की अथवा दोनो की सजा से एक साथ दण्डित किया जा सकेगा।

चिल्का डांड गांव की समस्याओं के निदान के लिए एनटीपीसी एवं ग्रामीणों की बैठक

ग्रामीणों की मांग गांव का हो पुनर्विस्थापन

शक्तिनगर। मूलभूत सुविधाओं से वंचित एवं प्रदूषण से कराह रहे विस्थापित गांव चिल्का डांड में। एनटीपीसी के द्वारा पंचायत भवन पर बैठक आहूत करते हुए कहा गया कि एनटीपीसी गांव की मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के लिए योजना बंद कार्य करने के लिए शक्तिनगर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण साडा के माध्यम से पहल किया जा रहा है। जिस पर ग्रामीणों के सहयोग की आवश्यकता है। पर ग्रामीणों द्वारा इसका विरोध करते हुए कहा गया की सन 2012 में तत्कालीन जिला अधिकारी द्वारा गांव को डेंजर जोन घोषित करते हुए अन्य पुनर्विस्थापन किए जाने की संस्कृति प्रस्तुत किया गया था । जहां अब तक अमल में नहीं लाया जा सका है। विस्थापित अधिकार मंच के संयोजक एवं विस्थापित प्रतिनिधि हेमंत मिश्रा ने कहा कि एनटीपीसी सिंगरौली परियोजना द्वारा 800 मेगावाट की दो यूनिट स्थापित की जा रही है। ऐसे में 40 वर्ष पूर्व बसाए गए विस्थापित गांव चिल्का डांड का पुनर्स्थापना आवश्यक है। एक ओर रेलवे लाइन का बड़ा जाल बिछाया गया है तो दूसरी ओर वह भी मिट्टी के ऊंचे-ऊंचे पहाड़ गांव का विकास एवं विकास अवरुद्ध किए हैं। विस्थापित प्रतिनिधि मनोनीत रवि द्वारा गांव के बिजली की समस्या बेरोजगारी पर गांव का पक्ष रखा गया। एनटीपीसी सिंगरौली परियोजना मानव संसाधन विभाग के अपर महाप्रबंधक सिद्धार्थ मंडल द्वारा कहा गया कि गांव की समस्याओं के समुचित निस्तारण के लिए विस्तार पूर्वक पहल की जाएगी और पूरा प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर बैठक में एनटीपीसी की ओर से मानव संसाधन विभाग के नरेश कुमार, ओमप्रकाश, आदर्श कुमार तथा विस्थापितों की ओर से रामसुख शुक्ला, जयप्रकाश, नर्मदा कुशवाहा, विनय कुमार, राम प्रसाद, गणेश मिश्रा, नंदलाल एवं अनेक ग्रामीणों ने अपन-अपने विचार रखे।

माकपोल के बाद होगा वास्तविक मतदान: जिला निर्वाचन अधिकारी

मतदान के पहले होगा माकपोल : शुक्ला

सिंगरौली। लोकसभा निर्वाचन के लिए जिले के तीनों विधान सभा क्षेत्रों में मतदान के लिए 19 अप्रैल को होगा। मतदान इलैक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों से कराया जाएगा। वास्तविक मतदान प्रारंभ होने से पहले माकपोल यानी दिखावटी मतदान कराया जाएगा। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्रशेखर शुक्ला ने बताया कि मतदान दल के सदस्य मतदान प्रारंभ होने से एक घण्टा पूर्व माकपोल कराएंगे। माकपोल कराने के समय की सूचना मतदान के पूर्व सभी मतदान एजेण्टों को दे दी गई है। एजेण्टों की उपस्थिति में ही माकपोल कराया जाएगा। यदि एजेण्ट निर्धारित समय पर उपस्थित नही होते हैं तो भी माकपोल की कार्यवाही की जाएगी। माकपोल में इलैक्ट्रानिक वोटिंग मशीन से मतदान का प्रदर्शन किया जाता है। मतदान एजेण्टों के द्वारा मतदान कराया जाता है।

पीठासीन अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखे कि प्रत्येक उम्मीदवार के एजेण्ट से समान संख्या में मतदान कराएं। इसके बाद एजेण्टों को वोटिंग मशीन में डाले गए कुल मतों की जानकारी रिजल्ट खण्ड के माध्यम से प्रदर्शित की जाएगी। इसके बाद क्लियर बटन से माकपोल दिए गए सभी मत हटा दिए जाएंगे। अब वोटिंग मशीन वास्तविक मतदान के लिए तैयार हो जाएगी। एजेण्टों की उपस्थिति में मशीन की सीलिंग करके तथा निर्धारित स्थान पर उनके हस्ताक्षर कराकर निर्धारित समय पर मतदान प्रारंभ किया जाएगा। निर्धारित प्रपत्र में पीठासीन अधिकारी माकपोल का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करेंगे। माकपोल कराए बिना वास्तविक मतदान प्रारंभ नही होगा।

क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन आज

सिंगरौली। लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत 19 अप्रैल 2024 को होने वाले मतदान के सिलसिले में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देशन एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी गजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में स्वीप गतिविधियों के तहत मतदाता जागरूकता के लिए ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के चतुर्थ अंतिम चरण का आयोजन 17 अप्रैल को किया जायेगा। प्रतियोगिता में जिले के किसी भी आयु, वर्ग का कोई भी व्यक्ति भाग ले सकता है। प्रतिभागी प्रातः 10 बजे से शाम 5 के मध्य अपनी सुविधा अनुसार दिए गए लिंक अथवा क्यूआर कोड के माध्यम से कभी भी सम्मिलित हो सकते हैं। विजेताओं को प्रथम पुरस्कार 2100 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1500 तथा तृतीय पुरस्कार 1000 एवं अन्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

बच्चों ने सीखा अग्निशामक यंत्र का संचालन

विन्ध्यनगर। एनटीपीसी विन्ध्यनगर के सीआईएसएफ फायरविभाग ने सरस्वती शिशुमन्दिर उ.मा. विद्यालय विंध्यनगर के छात्र-छात्रों को अग्निशामक यंत्र की जानकारी दी। सीआईएसएफ फायर के कमाण्डेंट हमवीर सिंह ने अग्निशामक के अलग-अलग प्रकार एवं उनका किस प्रकार के आग बुझाने में प्रयोग होगा और आग लगने पर क्या सावधानियॉ रखनी चाहिए इसकी जानकारी दी। साथ ही छात्र-छात्रों से अग्निशामक यंत्र का उपयोग उनके द्वारा करवाया। अग्निशामक यंत्र एवं आग से संबन्धित प्रश्न भी छात्र-छात्रों से पुछा गया एवं सही उत्तर देने वाले छात्र-छात्रों को 20 अप्रैल समापन समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा। विद्यालय के व्याख्याता श्री मनेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने सीआईएसएफ के अधिकारियों का स्वागत किया एवं उनके इस प्रयास का आभार व्यक्त किया की वे छात्र-छात्रों को अग्निशामक यंत्र संचालन करना सिखाया। जिससे छात्र-छात्रों आपतकालिन परिस्थिति में अग्निशामक यंत्र का उपयोग बेहतर तरीके से कर सकेंगे। इस अवसर पर विद्यालय प्रबन्धकारिणी समिति के व्यवस्थापक धीर सिंह चौहान, आचार्य परिवार एवं कक्षा तृतीय से द्वादश तक के छात्र-छात्रों की मौजूदगी रही।

17 अप्रैल को दोपहर 2 बजे शायं 6 बजे तक कोल परिवहन रहेगा प्रतिबंधित

सिंगरौली। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्रशेखर शुक्ला के द्वारा उपखण्ड अधिकारी सिंगरौली से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर आगामी रामनवमी त्यौहार के अवसर पर मोरवा शहर एवं जयंत यज्ञशाला परिसर में आयोजित होने वाले राम-जानकी शोभा यात्रा, जुलूस में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की अत्यधिक संख्या को देखते हुये 17 अप्रैल को समय दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक सड़क मार्ग से भारी वाहन कोल कोयला एवं राखड़ परिवहन वाहनों का संचालन प्रतिबंधित किया गया है।

उपखण्ड अधिकारी अपने क्षेत्रो में कानून व्यवस्था के साथ साथ मतदान केन्द्रो पर रखे पैनी नजर: कलेक्टर

सिंगरौली। लोकसभा निर्वाचन 2024 सीधी संसदीय क्षेत्र 11 जिला सिंगरौली अंतर्गत के विधानसभाओं में स्थित मतदान केन्द्रो में निर्वाचन दिवस में सम्पूर्ण व्यवस्थाओं के साथ साथ अपने अपने उपखण्ड क्षेत्रांतर्गत कानून व्यवस्था को बनाये रखने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के चन्द्रशेखर शुक्ला के द्वारा सभी उपखण्ड अधिकारियो को इस आशय के निर्देश दिये गये है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान कलेक्टर के द्वारा उपस्थित अधिकारियो से सौपे गये मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाओं की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिये कि सभी उपखण्ड अधिकारी एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने अपने क्षेत्रो में कानून व्यवस्था बनाये रखे साथ ही कलेक्टर ने इस आशय के भी निर्देश दिये कि एक बार पुनः अपने क्षेत्रांतर्गत के मतदान केन्द्रो की व्यवस्थाऐ जैसे विद्युत, पेयजल, दिव्यांगो के लिए रैम्प एवं रूट चार्ट की व्यवस्था के संबंध में अंतिम रिपोर्ट एवं फोटोग्राफ दिया जाना सुनिश्चित करे। मतदान केन्द्रो में आयोग द्वारा जारी निर्देश के तहत सम्पूर्ण व्यवस्थाएं कराया जाना सुनिश्चित करे। उन्होने महिला बूथ की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि चिन्हित किये गये महिला बूथो का भी निरीक्षण करने का निर्देश दिये ताकि बूथो में किसी प्रकार की कमी न होने पाये।कलेक्टर ने मतदान कार्य में लगे हुये अधिकारी कर्मचारियो को मतदान केन्द्रो पर पहुचाने हेतु किये जाने वाले वाहनो की व्यवस्था की जानकारी लेने के पश्चात जिला परिवहन अधिकारी एवं खनिज अधिकारी को निर्देश दिये कि सर्म्पूण व्यवस्थाएं निर्धारित समय पर किया जाना सुनिश्चित करे ताकि मतदान दलो को निर्धारित समय पर मतदान केन्द्रो की ओर रवाना किया जा सके। बैठक के दौरान कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री को भी इस आशय के निर्देश दिये कि प्रत्येक मतदान केन्द्रो में विद्युत की व्यवस्था कराया जाना सुनिश्चित करे। साथ ही अंतिम रिपोर्ट भी दिया जाना सुनिश्चित करे। वही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को इस आशय के निर्देश दिये कि मतदान दिवस पर स्वास्थ्य चिकित्सा से संबंधित व्यवस्थाओ हेतु टीम का गठन कर अवगत कराया जाये।

अनापंत्ति प्रमाण पत्र के स्वीकृति के संबंध में

सिंगरौली। अपर जिला मजिस्ट्रेट सिंगरौली के न्यायालय में मे0 अमिलिया कोल माईनिंग लिमिटेड द्वारा ग्राम पिड़रवाह तहसील सरई की भूमि अराजी खसरा क्रमांक 558 रकवा 1.1800 हे0 के अंशभाग 50/40 पर कम्पनी के निजि उपयोंग हेतु एच.एस.डी उपभोक्ता पम्प स्थापित करने हेतु अनापंत्ति प्रमाण पत्र की स्वीकृती बावत अनुरोध किया गया है। इस संबंध में किसी को कोई आपंत्ति होतो इस कार्यालय में दिनांक 6मई 2024तक अथवा इसके पूर्व उपस्थित होकर कार्यालयीन समय में आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

बांग्लादेशी नागरिक को अपने घर में ठहराने एवं पुलिस को सूचित नही करने पर मकान मालिक के विरूद्ध सिंगरौली पुलिस ने की कार्यवाही

सिंगरौली। आज दिन मंगलवार 16 अप्रैल को विंध्यनगर पुलिस को जरिए मुखबीर सूचना मिली कि नवजीवन बिहार सेक्टर 2 में एक बांग्लादेशी नागरिक सुरैया अख्तर रामप्रताप कुशवाहा के घर में रूकी हुई है। जिसकी सूचना एसपी कार्यालय या थाने में नही दी गई है। सूचना की तस्दीक कराई गई। जहां रामप्रताप कुशवाहा के घर जाकर पूछतांछ की गई। घर में कुल 5 व्यक्ति मिले सभी से नाम पता पूछा गया। जहां रामप्रताप कुशवाहा व उसकी पत्नी व 2 बच्चे पूजा कुशवाहा एवं पंकज कुशवाहा के साथ लगभग 25-26 वर्षीय महिला मिली जिसका नाम, पता पूछा गया। जहां अपना नाम सुरैया अख्तर पिता मोहम्मद सुलेमान निवासी डैग-59 टेकरहाटी कमरंगीचार असर्फाबाद 1211 ढाका बांग्लादेश बताया। जिससे पासपोर्ट व वीजा मांगा गया जिसने अपना पासपोर्ट व वीजा प्रस्तुत किया गया। वीजा की समाप्ति तिथि 13 सितम्बर 2024 है। उक्त विदेशी महिला को अपने घर में ठहराने के संबंध में मकान मालिक रामप्रताप कुशवाहा से थाना विंध्यनगर अथवा एसपी कार्यालय में सी फार्म भरकर सूचना देने के संबंध में जानकारी ली गई। जहां जानकारी देना नही बताया। मकान मालिक रामप्रताप कुशवाहा का उक्त कृत्य विदेशियों विषय अधिनियम 1948 की धारा 7, 14 का उलंघन किए जाने पर उक्त व्यक्ति के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचनाधीन है। सिंगरौली पुलिस की होटल, लॉज या जहां आवास या शयन पुरूस्कार के लिए उपलब्ध कराया जाता है व निजी व्यक्तियों से अपील है कि विदेशियों को ठहराने के 24 घण्टे के अंदर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एसपी कार्यालय व संबंधित थाना में फार्म सी भरकर जानकारी देवें। विदेशी नागरिक को ठहराने की जानकारी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व संबंधित थाना में न दिया जाना अपराध है।

मतदान केन्द्र के सौ मीटर के दायरे में नही की जा सकेंगी मतों की याचना

सिंगरौली। भारत निर्वाचन आयोग के मुताबिक मतदान के दिन मतदान केन्द्र पर और मतदान केन्द्र के 100 मीटर के दायरे में स्थित किसी भी सार्वजनिक या निजी स्थानों पर मतों की याचना को प्रतिबंधित किया है। आयोग के निर्देशों के मुताबिक कोई भी व्यक्ति मतदान के दिन मतदान केन्द्र के भीतर अथवा मतदान केन्द्र के 100 मीटर के दायरे में न तो किसी मतदाता से मत की याचना कर सकेगा और न ही किसी उम्मीदवार के पक्ष या विपक्ष में वोट डालने की प्रार्थना कर सकेगा। आयोग ने मतदान केन्द्र के सौ मीटर के दायरे में शासकीय सूचनाओं के अलावा किसी अन्य तरह की सूचनाओं या चिन्हों के प्रदर्शन पर भी रोक लगाई है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक मतदान के दिन मतदान केन्द्र के भीतर और मतदान केन्द्र के आस-पास शोर-शराबा भी नही किया जा सकेगा। मतदान केन्द्र के सौ मीटर के दायरे में मेगाफोन अथवा लाउडस्पीकर के उपयोग को भी आयोग ने प्रतिबंधित किया गया है। इसके साथ ही मतदान केन्द्र के सौ मीटर के दायरे के बाहर लगाये गये लाउडस्पीकर के उपयोग से यदि मतदान केन्द्र पर मतदान करने आने वाले लोगों को व्यवधान होता है। अथवा मतदान कर्मियों को काम करने में कठिनाई होती है तो ऐसे स्थानों से भी लाउडस्पीकर्स को हटाने के निर्देश आयोग ने दिये हैं।

निर्वाचन संबंधी सभी तैयारियो को समय पर पूर्ण कर प्रतिवेदन दें: कलेक्टर

अग्नि प्रबंधन की मजबूती तथा विपरीत बनाई गई ईमारतो पर करें कार्यवाही

सिंगरौली

निर्माण नियम अनुपालन से बने भवनो की जॉच करने तथा निर्वाचन कार्य में सलग्न अधिकारी-कर्मचारियो को सौंपे गये दायित्वो का पूरी गंभीरता से निवर्हन कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। उक्त आशय के निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समय सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्रशेखर शुक्ला के ने दिया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्रशेखर शुक्ला ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान लोकसभा निर्वाचन के विभिन्न दायित्वो के संबंध में निर्देश देते हुये उपस्थित सेक्टर अधिकारियो निर्देश दिये कि अपने-अपने क्षेत्रो के मतदान केन्द्रो का नियमित निरीक्षण कर मतदान दिवस के पहले तैयारी पूरी कर ले। मतदान केन्द्रो में गर्मी को देखते हुये छाया, पेयजल, विद्युत व्यवस्था के साथ मतदान केन्द्र पर आने वाले बुजुर्ग, दिव्यांग तथा महिला मतदाताओं के लिए व्यवस्थाओ सहित शौचालय तथा स्वच्छता का विशेष ध्यान रखे। साथ ही मतदान केन्द्रो में मतदान दल में सलग्न अधिकारियो-कर्मचारियो के रहने खाने की उचित व्यवस्था कराये। सभी उपखण्ड अधिकारी अपने -अपने क्षेत्र के मतदान केन्द्रो की पूर्ण व्यवस्थाओ से संबंधित जानकारियां एवं अंतिम रिपोर्ट 10 अप्रैल को आयोजित बैठक के दौरान प्रस्तुत करें। उन्होंने सीएम हेल्प लाईन सहित सार्वजनिक सभा,रैली,जूलूस बिना अनुमति न आयोजित हों इस पर कड़ी निगरानी रखे। कलेक्टर ने आबकारी अधिकारी को निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्रो एवं शहरी क्षेत्र में स्थित ग्रामो में अवैध रूप से मादक पदार्थो की बिक्री न हो इसके लिए गहन पूर्वक दल जॉच करें।

परमिशन के विपरित कराए गए भवन निर्माण पर करें कार्यवाही

बैठक के दौरान नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि ऐसे भवन स्वामी जिन्होंने भवन नियमो का पालन न किया हो तथा अपने भवन का निर्माण नियम विरूद्ध कराया है, ऐसे भवन स्वामी जिनके द्वारा बिल्डिग परमीशन ली गई है लेकिन भवन का निर्माण उपरोक्त परमीशन के विरूद्ध अपने भवन का निर्माण कराया गया है। ऐसे भवन स्वामियो को चिंन्हित कर उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करें। कलेक्टर ने कि विगत दिवस शहर में घटित अग्नि दुर्घटना के संबंध में अग्नि प्रबंधन से संबंधित अधिकारियो-कर्मचारियो को व्यवस्था में मजबूती तथा अकस्मिक रूप से घटित होने वाली दुर्घटनो को दृष्टिगत रखते हुये त्वारित कार्यवाही करने के भी निर्देश दिये।

इनकी रही उपस्थिति

बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश,अपर कलेक्टर पीके सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा,डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की,नंदन तिवारी, सौरभ मिश्रा सहित जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा प्रत्याशी डॉ राजेश मिश्रा के समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने किया एतिहासिक रोड शो, बोले कांग्रेस अब प्रसांगिक, करें जमानत जप्त

सीधी । मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक शिवराज सिंह चौहान भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर राजेश मिश्रा के चुनावी समर्थन में विशाल रोड शो करते हुए कांग्रेस पर जबरदस्त हमला बोला।

महुआगांव में विशाल जनसभा करने के पश्चात सीधी नगर पालिका परिषद के स्थानीय प्रसिद्ध फूलमती मंदिर से पूजा अर्चना करने के पश्चात मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा प्रत्याशी डॉ राजेश मिश्रा ने भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अगुवाई में माता की पूजा अर्चना के पश्चात विजय श्री के उद्घोष के साथ विशाल रोड शो का शुभारंभ किया। भाजपा प्रत्याशी डॉ राजेश मिश्रा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान, मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश महामंत्री और चुरहट के पूर्व विधायक शरदेन्दु तिवारी, सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक, सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक,धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम, लोकसभा संयोजक के के तिवारी ने दोनों

हाथ जोड़कर रथ में सवार होकर जनता जनार्दन का अभिनंदन स्वीकार करते हुए जनता जनार्दन का आशीर्वाद ग्रहण करते हुए और पुष्प वर्षा के साथ ही विशाल शोभायात्रा रोड शो पुरानी गल्ला मंडी, लालता चौक, गांधी चौक, पूजा पार्क, अस्पताल चौराहा होते हुए स्थानीय सम्राट चौराहे में विशाल नुक्कड़ सभा के रूप में रोड शो परिणत हो गया ।

जहां पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीधी लोकसभा हेतु डॉ राजेश मिश्रा को अपना प्रत्याशी चुना है। डॉ राजेश मिश्रा को रिकॉर्ड मतों से विजई बनाकर दिल्ली भेजने की जवाबदारी मै आप सभी को सौंप रहा हूं। सभी भांजे भांजी, लाडली बहना, और लाडली लक्ष्मी की जवाबदारी है कि डॉक्टर राजेश मिश्रा रिकॉर्ड मतों से सांसद बने। कांग्रेस पर तीक्ष्ण प्रहार करते हुए मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस डूबती नैया है। कांग्रेस वर्तमान समय में अब अप्रासंगिक हो चुकी है । जन आधार खो चुकी है। कुछ छोटे-मोटे राज्यों में ही उनकी सरकार बची है। कार्यकर्ता सब भागे भागे फिर रहे हैं। कोई कांग्रेस की टिकट नहीं लेना चाहता। जबरदस्ती टिकट पकडाई जा रही है। कांग्रेस के सीधी प्रत्याशी का नाम लिए बिना पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस के प्रत्याशी टिकट नहीं लेना चाहते। वह कहते हैं कि मैं तो अभी-अभी हारा हूं, तो कांग्रेस आलाकमान कहता है, जाओ फिर से हार के आओ और जबरदस्ती चुनाव लड़ रहे हैं। इसलिए मेरा दोनों हाथ जोड़कर जनता जनार्दन से निवेदन है कि अपना एक भी वोट व्यर्थ ना गवाएं। शत प्रतिशत वोटिंग हो और सभी वोटिंग भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए, विश्व की महाशक्ति बनने के लिए, भारतीय जनता पार्टी के लिए हो। पुरे रोड शो के दौरान शिवराज मामा जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, डॉ राजेश मिश्रा जिंदाबाद और भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के जबरदस्त नारे लगे। नगर के प्रमुख गली तिराहो पर सड़क मार्ग के दोनों और हजारों की संख्या में लोग विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यावसायिक संगठनों ने रोड शो में पूर्व मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। इस दौरान लोगों में अच्छा खासा उत्साह देखा गया। रोड शो का समय 6 बजे था किंतु 2 घंटे लेट चालू होने के बाद भी जनता का उत्साह कहीं से कहीं तक कम नहीं दिख रहा था।

प्रमाणन के बाद ही मतदान दिवस तथा एक दिन पहले प्रकाशित होंगे विज्ञापन

सीधी। लोकसभा निर्वाचन 2024 में सीधी जिले के लिए 19 अप्रैल 2024 को मतदान की तिथि निर्धारित की गई है। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतदान से दो दिन पूर्व सभी तरह का चुनाव प्रचार बंद हो जाता है। उम्मीदवार अथवा राजनैतिक दल मतदान के दिन 19 अप्रैल तथा 18 अप्रैल को मतदान की अपील प्रकाशित करा सकते हैं। प्रिंट मीडिया के इन सभी विज्ञापनों को जिला स्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनीटरिंग कमेटी से प्रमाणन कराना आवश्यक होगा। उम्मीदवार विज्ञापन प्रकाशन से दो दिवस पूर्व समिति को निर्धारित प्रपत्र में आवेदन देकर उसका प्रमाणीकरण कराएं। प्रमाणीकरण के बाद ही विज्ञापन का प्रकाशन किया जा सकता है। इस संबंध में निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार जिला स्तरीय समिति 24 घंटे की समय सीमा में विज्ञापन का प्रमाणीकरण करके उम्मीदवार को उपलब्ध कराएगी। बिना प्रमाणन के विज्ञापन प्रकाशित कराने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

पत्रकार वार्ता में जिला निर्वाचन अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक ने लोकसभा निर्वाचन तैयारियों की दी जानकारी

सीधी। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 11-सीधी के लिए मतदान 19 अप्रैल 2024 को मतदान कराया जाएगा। निर्वाचन की तैयारियों के दृष्टिगत आयोजित पत्रकार वार्ता में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक डॉ रवीन्द्र वर्मा द्वारा आवश्यक जानकारी बताई गई। कलेक्टर श्री सोमवंशी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण की जा रही है। मतदान दल में संलग्न सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा चुका है। सामग्री वितरण स्थल पर भी मतदान दलों के हैंड्स ऑन प्रशिक्षण की व्यवस्था रहेगी। जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों के लिए सामग्री वितरण तथा वापसी संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय सीधी के पुराना भवन से किया जाएगा। सिंगरौली जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र के लिए सिंगरौली तथा ब्यौहारी के लिए शहडोल जिले से व्यवस्था रहेगी। ईव्हीएम लेकर चलने वाले सभी वाहनों में जीपीएस के माध्यम से निगरानी

रखी जाएगी। संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय में स्ट्रांग रूम बनाया गया है। ऐसी मशीने जिसमें मतदान नहीं होगा उन्हें पृथक से सुरक्षित रखा जाएगा।

पुलिस अधीक्षक डॉ वर्मा ने कहा कि शांतिपूर्ण निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए जिले में पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध है। सीएपीएफ, राज्य सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल, होम गार्ड तथा एसपीओ के माध्यम से कड़ी निगरानी रखी जाएगी। चुनाव प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने वाले लोगों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। निगरानी के लिए अन्तर्राज्यीय तथा अन्तर्जिला नाकों के साथ-साथ सेक्टर पुलिस मोबाइल तथा क्यूआरटी तैनात रहेंगे। जिले में सभी स्थानों में फ्लैग मार्च किया जा रहा है। रात्रि में भी गस्त की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शांतिपूर्ण निर्वाचन में किसी भी प्रकार की बाधा को स्वीकार नहीं किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि विगत एक माह में 90 लाख रुपये से अधिक की जब्ती की गई है। अंतिम 72 घंटों के प्रोटोकॉल के तहत गस्त एवं निगरानी बढ़ाई जाएगी।

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश शाही ने बताया कि त्रुटि रहित निर्वाचन के लिए मतदान दलों को प्रशिक्षण के माध्यम से आयोग के निर्देशों से अवगत कराया गया है। ईव्हीएम का हैंड्स ऑन प्रशिक्षण तथा प्रक्रियाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। मतदान के दौरान जो सावधानियां बरती जानी है उसके संबंध में उन्हें पृथक से दस्तावेज उपलब्ध कराया जा रहा है। कंट्रोल रूम के माध्यम से भी उन्हें जानकारियां उपलब्ध कराई जाएगी।

मतदान एवं मतगणना दिवस को शुष्क दिवस घोषित किया गया

सीधी। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 11-सीधी में प्रथम चरण में मतदान दिनांक 19.04.2024 एवं मतगणना दिनांक 04.06.2024 को निर्धारित है। निष्पक्ष एवं निर्विघ्न सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135 ग अनुसार जिले में लिकर एवं किण्वित मदिरा या इसी तरह का अन्य कोई मादक द्रव्य देशी मदिरा, विदेशी मदिरा, बियर आदि का क्रय, विक्रय वितरण एवं परोसना पूर्णत: प्रतिबंधित करने हेतु निर्देश प्राप्त हुए हैं। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा उक्त निर्देशों के अनुक्रम में आदेश जारी किया गया है। जारी आदेशानुसार लोकसभा क्षेत्र सीधी के अंतर्गत सीधी जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानें, होटल बार एफ.एल.-3, रेस्तरां बार एफ.एल.-2, मदिरा की अतिरिक्त गोदाम एवं देशी मदिरा स्टोरेज वेयर हाउस, पूर्णत: बंद रखे जाने के लिए मतदान समाप्ति दिनांक 19.04.2024 को सायं 6 बजे के 48 घण्टे पूर्व अर्थात दिनांक 17.04.2024 को सायं 6 बजे से दिनांक 19.04.2024 को सायं 6 बजे अथवा मतदान समाप्ति तक तथा मतगणना दिनांक 04.06.2024 को सम्पूर्ण दिवस के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी ने आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लोक शांति के परिरक्षण के लिए उक्त अवधि में शुष्क दिवस घोषित किया है।

बुधवार से थम जाएगा चुनाव प्रचार का शोर

सीधी। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 11-सीधी के लिए मतदान 19 अप्रैल 2024 को मतदान कराया जाएगा। सीधी जिले के सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में 17 अप्रैल को शाम 6 बजे चुनाव प्रचार की अवधि समाप्त हो जाएगी। 17 अप्रैल को शाम 6 बजे चुनाव प्रचार पूरी तरह से बन्द हो जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी ने बताया कि 17 अप्रैल को शाम 6 बजे से चुनाव प्रचार पूरी तरह से बन्द हो जाएगा। सभी उम्मीदवार इस अवधि के बाद चुनाव प्रचार न करें। चुनाव प्रचार के लिए वाहन तथा उपकरणों के लिए दी गई सभी अनुमतियां भी 17 अप्रैल को शाम 6 बजे निरस्त हो जाएंगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस तथा अर्धसैनिकों बलों ने किया फ्लैग मार्च

सीधी। लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस तथा अर्ध सैनिक बलों द्वारा लगातार फ्लैग मार्च किया जा रहा है। कलेक्टर तथा जिला निर्वाचन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक डॉ रवींद्र वर्मा की अगुवाई में नगर पालिका परिषद सीधी में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश शाही, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर नीलेश शर्मा, एसडीओपी गायत्री तिवारी सहित कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस के अधिकारी उपस्थित रहे। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक डॉ वर्मा ने बताया कि जिले में सभी स्थानों में फ्लैग मार्च किया जा रहा है। संवेदनशील स्थानों में रात्रि में भी गस्त की जा रही है। शांतिपूर्ण निर्वाचन में किसी भी प्रकार की बाधा को स्वीकार नहीं किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अंतिम 72 घंटों के प्रोटोकॉल के तहत गस्त एवं निगरानी बढ़ाई जाएगी।

चुनाव प्रचार की अवधि समाप्त होने पर बाहरी व्यक्ति और वाहन होंगे बाहर

सीधी। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 11-सीधी के लिए मतदान 19 अप्रैल 2024 को मतदान कराया जाएगा। सीधी जिले के सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में 17 अप्रैल को शाम 6 बजे चुनाव प्रचार की अवधि समाप्त हो जाएगी। इस अवधि के समाप्त होने के बाद सभी बाहरी व्यक्ति तथा वाहन जिले से बाहर होंगे। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी ने बताया कि निष्पक्ष तथा शांतिपूर्वक मतदान सुनिश्चित करने के लिए कड़े प्रबंध किए जा रहे हैं। मतदान समाप्ति से 48 घण्टे पूर्व ऐसे सभी व्यक्ति जिले से बाहर चले जाएं जिनके नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं अथवा वे इस जिले के निवासी नहीं हैं। चुनाव प्रचार का कार्य कर रहे सभी अन्य जिलों के वाहन भी अनुमति समाप्त होने के बाद जिले की सीमाओं से बाहर चले जाएं। मतदान सम्पन्न होने के बाद ही इन्हें जिले की सीमा में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। निर्वाचन कार्य के लिए वाहनों का अधिग्रहण होने के कारण 17 अप्रैल से सामान्य आवागमन पर भी प्रभाव पड़ेगा। इसलिए जिले के जो मतदाता अभी जिले से बाहर हैं वे यथाशीघ्र अपने निवास स्थान पर वापस आ जाएं। जिससे उन्हें मतदान का अवसर मिल सके।

मतदान समाप्ति से 48 घंटे पहले तक टेलीविजन या अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले का प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा

सीधी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिये मीडिया कव्हरेज के परिप्रेक्ष्य में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। आयोग ने कहा है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126(1)(बी) के अनुसार टेलीविजन, सिनेमैटोग्राफ या इसी तरह के अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले (विज्ञापन या प्रचार आदि) का प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध किसी भी मतदान क्षेत्र में मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले तक की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति सिनेमैटोग्राफ, टेलीविजन या अन्य समान उपकरण के माध्यम से किसी भी चुनावी मामले को जनता के समक्ष प्रदर्शित नहीं करेगा। इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति को दो साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। आयोग के अनुसार चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने या ऐसे इरादे या गणना करने जैसा कोई भी प्रयास चुनावी मामला माना जायेगा।

टीवी चौनलों में पैनल चर्चा/बहस और अन्य समाचार और समसामयिक कार्यक्रमों के प्रसारण में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप लगते हैं। इस संबंध में आयोग ने स्पष्ट किया है कि टीवी/रेडियो चौनलों और केबल नेटवर्क को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि धारा 126 में उल्लेखित 48 घंटों की अवधि के दौरान उनके द्वारा प्रसारित/प्रदर्शित कार्यक्रमों के कंटेन्ट में दृश्य सहित ऐसी कोई भी सामग्री शामिल नहीं है। पैनलिस्टों/प्रतिभागियों द्वारा अपील करने पर उन्हें किसी पार्टी विशेष या उम्मीदवार की संभावना को बढ़ावा देने या चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के रूप में माना जा सकता है। इसमें जनमत सर्वेक्षण और मानक बहस, विश्लेषण, दृश्य और ध्वनि-बाइट्स का प्रदर्शन शामिल होगा। इसमें टीवी, केबल नेटवर्क, रेडियो, सिनेमा हॉल में किसी भी चुनावी मामले पर राजनीतिक विज्ञापन, किसी भी मतदान में थोक एसएमएस/वॉयस संदेशों, ऑडियो विजुअल डिस्प्ले का उपयोग आदि भी शामिल है।

आयोग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर राजनीतिक विज्ञापनों के लिये आयोग के पूर्व आदेशानुसार राज्य/जिला स्तर पर गठित समितियों द्वारा पूर्व-प्रमाणन की आवश्यकता होगी। इस संदर्भ में आयोग द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का एनबीएसए द्वारा 3 मार्च, 2014 को जारी ''चुनावी प्रसारण के लिए दिशा-निर्देश'' की ओर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया गया है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने आम चुनावों के दौरान चुनावी प्रक्रिया की अखंडता बनाए रखने के लिए अपने प्लेटफार्मों के स्वतंत्र, निष्पक्ष और नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सभी भाग लेने वाले सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के लिए एक ''स्वैच्छिक आचार संहिता'' भी विकसित की है। सभी चुनावों के दौरान इस ''स्वैच्छिक आचार संहिता'' का पालन किया जाना चाहिए। यह संहिता वर्तमान लोकसभा चुनावों में भी लागू है।

12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई एक भी दिखाकर मतदाता कर सकेंगे मतदान

सीधी। यदि किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज है परंतु उसके पास किसी वजह से मतदाता परिचय पत्र उपलब्ध नहीं है तो भी वह मताधिकार का उपयोग कर सकेगा। मतदाता परिचय पत्र के अलावा 12 वैकल्पिक फोटो युक्त दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकेंगे। इसी प्रकार यदि किसी कारण से किसी नागरिक को मतदाता सूचना पर्ची प्राप्त नहीं होती है, लेकिन उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है तो भी वह मतदान कर सकेगा। आयोग के निर्देशानुसार सभी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में सभी मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र जारी किया जा रहा है। जो मतदाता वोटर आईडी कार्ड प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना होगा। 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में आधार कार्ड, मनरेगा जाब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र/राज्य सरकार/पीएसयू/सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक/डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों/विधायकों/एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल है ।

किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल तथा इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार 19 अप्रैल से एक जून तक पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना जारी

सीधी

लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान 19 अप्रैल की सुबह 7 बजे से एक जून की शाम 6.30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर पूर्णतरू प्रतिबंध रहेगा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 28 मार्च 2024 को इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घण्टों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के प्रदर्शन पर भी पूर्णतरू प्रतिबंध रहेगा।

उल्लेखनीय है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान, जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार भी नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति इस प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो वह ऐसी अवधि के कारावास से, जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से, दण्डनीय होगा।

भाजपा ने महंगाई,भ्रष्टाचार,बेरोजगारी को बढ़ाया : कमलेश्वर

सीधी। कांग्रेस ने देश को जोड़ा है,भाजपा देश को तोड़ रही है । यह लोकसभा चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है।भाजपा ने महंगाई,भ्रष्टाचार,बेरोजगारी को बढ़ाया है। उक्त विचार सीधी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश्वर पटेल ने आज धौहनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गगेई जमुआ 1,गिजवार, साहिजनहा,पोड़ी ,कोटा ,ददरी , कुंदौर धूपखड़,टमसार ,भदौरा व परासी ग्रामों में जनसंपर्क के दौरान कही। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव दो विचारधाराओं की लड़ाई है! एक तरफ कांग्रेस है जिसने हमेशा भारत को जोड़ा और दूसरी तरफ वो हैं जिन्होंने हमेशा लोगों को बांटने की कोशिश की

है। इतिहास गवाह है किसने देश का विभाजन चाहने वाली ताकतों से हाथ मिला कर उन्हें मज़बूत किया और कौन देश की एकता और स्वतंत्रता के लिए लड़ा। कौन 'भारत छोड़ो आंदोलन' के समय अंग्रेजों के साथ खड़ा था? जब भारत की जेलें कांग्रेसी नेताओं से भर गई थीं, तब कौन देश को बांटने वाली ताकतों के साथ राज्यों में सरकार चला रहा था? भाजपा की केंद्र सरकार कुछ उद्योगपतियों को देश की संपत्ति देकर उन्हें अमीर बना रही है, वहीं मध्यवर्गीय व गरीब और गरीब बनता जा रहा है । राष्ट्र की संपत्ति देश की धरोहर है, जिसे देने का अपराध भाजपा की सरकार कर रही है। श्री पटेल ने कहा कि देश का हर वर्ग परेशान है। बदलाव के लिए कांग्रेस नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की सरकार केन्द्र में बनने जा रही है। श्री पटेल ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश का भ्रमण कर नागरिकों के साथ हो रहे अत्याचार, शोषण एवं अनीति के विरुद्ध शंखनाथ कर जनजागरण का कार्य कर रहे हैं।

इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर कांग्रेस पार्टी पंच न्याय को लागू कर युवा न्याय, भागीदारी न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय व श्रमिक न्याय के लिए कार्य करेगी। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी सीधी चिंतामणि तिवारी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री आनंद सिंह शेरगांव, अध्यक्ष,जनपद पंचायत कुसमी श्रीमती श्यामवती सिंह, अध्यक्ष जिला कांग्रेस आदिवासी संगठन श्री तिलकराज सिंह, सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संपादकीय

रिजर्व बैंक रेपोरेट को यथावत रख कर महंगाई पर नियंत्रण करने का कर रहा प्रयास

मार्च महीने में खुदरा महंगाई का रुख कुछ नरमी लिए दर्ज हुआ। निस्संदेह यह राहत की बात है। फरवरी में खुदरा महंगाई की दर 5.09 फीसद थी, जो मार्च में घट कर 4.85 फीसद पर आ गई। यह पिछले दस महीनों का सबसे निचला स्तर है।

हालांकि रिजर्व बैंक लगातार दावा करता रहा है कि वह महंगाई पर बहुत जल्दी काबू पा लेगा और इसे चार फीसद पर स्थिर कर सकेगा। स्वाभाविक ही ताजा आंकड़े से रिजर्व बैंक ने कुछ राहत की सांस ली होगी। मगर दावा करना मुश्किल है कि आगे भी महंगाई का रुख नीचे की तरफ ही बना रहेगा।

खुदरा महंगाई की दर में आई ताजा कमी की बड़ी वजह तेल, गैस और बिजली की कीमतों का घटना है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में जिस तरह कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव आ रहा है, उसमें महंगाई को लेकर कोई अंतिम दावा करना कठिन है।

खुदरा महंगाई में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कोई खास अंतर दर्ज नहीं हुआ है। फरवरी में खाद्य वस्तुओं की महंगाई 7.8 फीसद दर्ज हुई थी, जो मार्च में घट कर 7.7 हो गई। सबसे चिंता की बात है कि रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाले मोटे अनाज, दूध, अंडे वगैरह की कीमतों में कोई कमी दर्ज नहीं हुई है। आखिर आम लोगों का वास्ता तो इन्हीं चीजों से होता है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महंगाई का अंतर भी चिंता की एक बड़ी वजह है। ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई दर 5.45 फीसद है, जबकि शहरी क्षेत्रों में 4.14 फीसद है। यह 1.31 फीसद का अंतर पिछले तेईस महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है। यानी ग्रामीण लोगों पर महंगाई की मार शहरी लोगों की अपेक्षा अधिक पड़ रही है, जबकि क्रयशक्ति की दृष्टि से ग्रामीण लोगों की क्षमता शहरी लोगों की अपेक्षा कम होती है।

उत्पादन के मामले में तेईस प्रमुख विनिर्माण उद्योगों में से दस का उत्पादन घटा है। रिजर्व बैंक अपनी रेपो दर को यथावत बनाए रख कर महंगाई के मोर्चे पर कामयाबी हासिल करने का प्रयास कर रहा है, मगर जिस तरह अनेक स्तरों पर विसंगतियां और असंतुलन नजर आ रहा है, उसमें महंगाई पर काबू पाना उसके लिए चुनौती बना हुआ है।

एक तरफ बड़ी कारों और भवनों की बिक्री में तेजी दर्ज हो रही है, तो दूसरी तरफ औद्योगिक इकाइयों के उत्पादन में कमी देखी जा रही है। जिस मौसम में अनाज, फल और सब्जियों की बाजार में आवक तेज होती है, उसमें भी उनकी कीमतें ऊपर बनी रहती हैं।

महंगाई दरअसल, अर्थव्यवस्था में असंतुलन का संकेतक होती है। भले विकास दर के सात फीसद पर रहने के अनुमान और भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने के आंकड़ों से देश में समृद्धि के संकेत मिलते हों, पर हकीकत यह है कि खुद सरकार के मुताबिक करीब बयासी करोड़ लोग मुफ्त के राशन पर निर्भर हैं। रोजगार के मामले में स्थिति निरंतर भयावह होती जा रही है।

सामान्य बोध यही है कि रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं तो लोगों की क्रयशक्ति बढ़ती है और उससे बाजार में पूंजी का प्रवाह तेज होता है। मगर इस दिशा में कोई व्यावहारिक कदम नहीं उठाए जा पा रहे हैं। चुनाव के मद्देनजर ईंधन की कीमतों में कमी करने से महंगाई का रुख जरूर कुछ नीचे की तरफ हो गया है, पर यह स्थायी और व्यावहारिक समाधान नहीं है। बुनियादी कमजोरियों को दूर किए बिना शायद ही जमीन पर बेहतरी नजर आए।

सौर कचरे से बढ़ती मुश्किलें

विजय गर्ग

बिजली की किल्लत से पार पाने के लिए अपनाए जा रहे मौजूदा सौर पैनलों को पच्चीस से तीस वर्ष तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है, मगर मौसम की खराबी, दुर्घटनाओं या दूसरी वजहों से ये अनुमानित समय से पहले भी खराब हो सकते हैं। खराब सौर पैनल काम करना बंद करते ही पर्यावरण प्रदूषण की वजह बन जाते हैं। प्लास्टिक, वाहन, कारखानों और ई-कचरे के बाद पर्यावरण को प्रदूषित करने में सौर पैनलों की अहम भूमिका मानी जा रही है। गौरतलब है कि सौर पैनल में सिलिकान, कांच, एल्युमीनियम, सीसा, तांबा और कैडमियम का मिश्रण होता है, जो आसानी से पुनर्चक्रित नहीं होता। इसलिए अभी से इस पर गहन शोध और समझ बढ़ाने की जरूरत बताई जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक बड़ी मात्रा में सौर पैनलों के उत्पादन और संस्थापन के चलते 2030 तक इससे निकलने वाले अपशिष्टों की अच्छी-खासी वृद्धि होगी, जिसके असर से पर्यावरणीय समस्याएं पैदा होने का अनुमान है। इसलिए ऐसे पैनल बनाने की जरूरत है, जो लंबे समय तक चल सकें यानी अपशिष्ट बनने की प्रक्रिया अत्यंत धीमी हो । शोध के अनुसार भारत का सौर कचरा 2030 तक छह सौ किलोटन हो जाने की उम्मीद है। यह मात्रा 2050 तक बत्तीस गुना बढ़ जाएगी, जिसकी वजह से तकरीबन उन्नीस हजार किलोटन संचयी कचरा निकलेगा। 2040 तक यह हिस्सेदारी बढ़कर 74 फीसद हो जाएगी, क्योंकि मौजूदा सोलर पैनल अपने जीवन के अंत तक पहुंच चुके हैं। इसी तरह 2050 तक पैदा होने वाले संचयी कचरे का 77 फीसद नई क्षमताओं की वजह से होगा।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और स्वतंत्र शोध संस्थान %काउंसिल आन एनर्जी, एनवायरमेंट एंड वाटर% (सीईईडब्ल्यू) द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक यह ओलंपिक आकार के 720 स्वीमिंग पूल (तरणताल) भरने के बराबर है। शोध की रपट के मुताबिक कचरे का 67 फीसद पांच राज्यों राजस्थान, गुजरात, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु से पैदा होगा। 2030 तक पैदा होने वाले कचरे में राजस्थान का हिस्सा 24 फीसद, गुजरात का 16 फीसद और कर्नाटक का हिस्सा 12 फीसद होगा। भारत के सौर उद्योग में एक

चक्रीय अर्थव्यवस्था को सक्षम करनाः सौर अपशिष्ट मात्रा का आकलन% वाले अध्ययन में कहा गया है कि भारत में मौजूदा स्थापित 66.7 गीगावाट क्षमता से पहले ही 100 किलोटन कचरा पैदा हो रहा है, जो 2030 तक बढ़कर 340 किलो टन हो जाएगा। इसमें तकरीबन दस किलो टन सिलिकान, 12 से 18 किलो टन चांदी और 16 टन कैडमियम और टेलरियम होगा। इन तत्त्वों को दुबारा प्राप्त करने के लिए सौर कचरे का पुनर्चक्रण करने से आयात निर्भरता कम होगी और भारत की खनिज सुरक्षा बढ़ेगी।

शोध में पाया गया है कि शेष 260 किलो कचरा 2024 से 2030 के बीच स्थापित होने वाली नई क्षमताओं से पैदा होगा। अध्ययन के मुताबिक सौर कचरा 2050 तक बढ़कर 19,000 किलो टन हो जाएगा, जिसमें से 77 फीसद हिस्सा नई क्षमताओं से पैदा होगा। सीईईडब्लू ने कहा है कि भारत में सौर उद्योग के लिए चक्रीय अर्थव्यवस्था की अग्रणी और जुझारू सौर आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने का एक अवसर है। पच्चीस वर्षों में 7.8 करोड़ टन सौर फोटोवोल्टिक कचरा निकलने की संभावना वैज्ञानिक बता रहे हैं, जिसका 2050 तक पुनः उपयोग या पुनर्चक्रण किया जा सकता है, हालांकि, यह एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि सौर पैनलों का समग्र पुनर्चक्रण वैश्विक स्तर पर अभी भी लागू नहीं किया जा सका है। इसकी वजह है दुनिया के बाजारों में उचित बुनियादी ढांचे और राष्ट्रीय नियमों का न बनाया जा सकना। जाहिर है, सौर अपशिष्ट आने वाले वक्त में पर्यावरण प्रदूषण बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाएगा।

बिजली की समस्या से पार पाने के लिए भारत सहित दुनिया भर में बहुत बड़ी मात्रा में सौर पैनल लगाए जा रहे हैं। इसलिए सौर पैनल अपशिष्ट को खपाने के लिए अभी से सोचना जरूरी है। दुनिया के तमाम देशों में सौर प्रणालियों का उचित प्रबंधन, पुनर्चक्रण और निपटान सरकारी नीतियों और कानूनों के जरिए निर्देशित होता है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, जापान और आस्ट्रेलिया में सौर पैनल पुनर्चक्रण के लिए निजी या अनिवार्य कार्यक्रम चलाए जाते हैं। भारत में भी इसके लिए बेहतर नीतियां और नियम बनाकर उन्हें लागू करने की जरूरत है।

गौरतलब है कि भारत ने 2030 तक लगभग 292 गीगावाट सौर क्षमता हासिल करने की योजना बनाई है, जिसमें पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक कारणों से सौर पीवी कचरा प्रबंधन महत्त्वपूर्ण है। इसके मद्देनजर पर्यावरण-अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन का विकास ईपीआर (विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी) कार्यक्रमों का विस्तार किया जा रहा है, जो उत्पादकों को उनके जीवन के अंत के उत्पादों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार मानते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक सौर कचरे के पर्यावरणीय असर को कम करने के लिए एक और बेहतर समाधान बंद लूप प्रणाली विकसित करना जरूरी है। एक निरापद सौर प्रणाली विकसित कर इससे बढ़ने वाली समस्याओं को कम किया जा सकता है। सौर पैनल लगाने वाले व्यक्ति के लिए यह जानना भी जरूरी है कि उसके सौर पैनल की उम्र और उसमें इस्तेमाल होने वाले तत्त्व किस स्तर के हैं। खराब होने पर उनका निपटान किस तरह और कहां करना चाहिए।

यह जानना महत्त्वपूर्ण है कि सौर कचरा निपटान का बेहतर समाधान क्या है। इसमें बेहतर रखरखाव पर ध्यान देने की जरूरत है। इससे सौर पैनलों की उम्र बढ़ती है। इसी के साथ सौर प्रणाली कचरा प्रबंधन के लिए आसानी से पुनर्चक्रित सौर पैनलों पर लगातार अनुसंधान और विकास होना चाहिए। सौर पैनल के आधुनिक और टिकाऊ माडल ही बाजार में बेचने की मंजूरी दी जानी चाहिए। सौर पैनलों के दो बेहतर तरीकों को अपनाया जा सकता है। इसमें पारंपरिक थोक सामग्री पुनर्चक्रण है, जिसमें कचरे को कुचलना, छानना और कतरना शामिल है। लेकिन अगर पैनल कांच, तांबा, एल्यूमीनियम, चांदी और सिलिकान के मिश्रण से बना है, तो इस तरीके से इसे पुनर्चक्रित नहीं किया जा सकता। दूसरा तरीका उच्च मूल्य पुनर्चक्रण का है। इसमें थर्मल, रासायनिक और यांत्रिक तरीका अपनाया जाता है। यह तरीका हर तरह से बेहतर है इसमें रासायनिक विधि से चांदी और सिलिकान को भी पुनर्चक्रित किया जा सकता है।

सौर पैनल भारत में सरकारी और गैर-सरकारी उपक्रमों को चलाने में बिजली के एक बेहतर विकल्प के रूप में अपनाए गए हैं। इनसे बिजली पर होने वाले खर्च में कमी आ रही है। आम और खास दोनों को घरेलू स्तर पर सहूलियत मिल रही है, लेकिन जब तक पैनल अपशिष्ट का आसानी से, पर्यावरण पर असर डाले बगैर निपटान सुनिश्चित नहीं होता, तब तक इसे निरापद मानकर इस्तेमाल करना अच्छा नहीं कहा जा सकता है। इसलिए सौर पैनलों की सबसे बढ़िया डिजाइन का इस्तेमाल के लिए सरकार को जन जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। सरकारी योजनाओं के तहत भी जो सौर पैनल घरों पर लगाए जाएं, वे भी पर्यावरण के नजरिए से बेहतर होने चाहिए।

लोगों को गरीब बनाता महंगा इलाज

जयप्रकाश त्रिपाठी

चिकित्सा खर्च इस कदर जेब पर भारी पड़ रहा है कि हर साल कर्ज लेकर, संपत्तियां बेचकर इलाज कराने वाली सात-आठ प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे पहुंच जाती है। तैंतालीस फीसद कमाई इलाज पर खर्च हो जा रही है। ऐसे ज्यादातर मरीज कैंसर, हृदय और मानसिक रोगों से पीड़ित होते हैं।

देश में स्वास्थ्य सेवाएं महंगी ही नहीं होती जा रहीं, मरीजों को गरीब भी बना रही हैं। लगातार बढ़ता चिकित्सा खर्च हर साल सात प्रतिशत आबादी को गरीबी रेखा के नीचे धकेल रहा है। आक्सफैम इंटरनेशनल की एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि अगर भारत के अरबपतियों की पूरी संपत्ति पर दो फीसद की दर से एकमुश्त कर लगा दिया जाए, तो उसी राशि से देश में तीन साल तक कुपोषितों के पोषण के लिए 40,423 करोड़ रुपए की जरूरत पूरी की जा सकती है। इसी तरह देश के दस सबसे अमीर अरबपतियों पर पांच प्रतिशत का एकमुश्त कर लगा कर साल भर के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और आयुष मंत्रालय के बजट की अच्छी-खासी भरपाई हो सकती है।

हमारे देश में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, राज्य स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र योजना, जननी सुरक्षा योजना, सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) योजना, एनआरएचएम फ्लेक्सी पूल, राज्यों में 108 एंबुलेंस सेवा, इंद्रधनुष टीकाकरण, ग्रामीण स्वास्थ्य स्वच्छता जैसी अनेक आधारभूत व्यवस्थाओं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, तृतीयक देखभाल कार्यक्रम, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (प्रजनन) आदि सरकारी इंतजामात के बावजूद दुनिया में सबसे ज्यादा (सालाना औसतन 11 लाख) नवजात बच्चों की मौतें भारत में हो रही हैं।

हर साल दस लाख नवजात शिशुओं को गंभीर एचबीवी संक्रमण का खतरा रहता है। पैदा होने वाले प्रति एक हजार में से औसतन उनतीस नवजात की मौत हो जाती है। 'सेव द चिल्ड्रेन' संस्था के मुताबिक, विश्व में नवजात शिशुओं की कुल मौतों में से उनतीस फीसद अकेले भारत में होती हैं।

गरीब परिवारों के लिए यह सच कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे अपने बच्चों के इलाज का खर्च उठाने लायक नहीं रह गए हैं। अस्पतालों में भर्ती बच्चों पर केंद्रित एक अध्ययन से पता चलता है कि प्रति सौ परिवारों में से तेरह को इलाज में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे ज्यादातर परिवार अगली धार के कार्यकर्ताओं, जैसे आशा, आंगनबाड़ी, सहायक नर्स मिडवाइव्स की पहुंच से भी वंचित हैं।

आयुष्मान भारत योजना के साथ भी पहुंच का सवाल जुड़ा है। बेतहाशा महंगे दवा-इलाज ने तेईस फीसद मरीजों को चिकित्सा से वंचित कर दिया है। सत्तर फीसद लोग अपनी जेब से इलाज करा रहे हैं। मेडिकल कालेजों, अस्पतालों, प्रशिक्षित डाक्टरों और नर्सों की कमी के चलते स्वास्थ्य सेवाएं तो पहले से ही चरमराई हुई हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी खर्च एक दशक से ऊंट के मुंह में जीरा की तरह सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 1.3 प्रतिशत पर ही टिका हुआ है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का हाल यह है कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में भूटान, श्रीलंका और नेपाल जैसे गरीब देशों का भी सालाना खर्च भारत से ज्यादा है। देश में आबादी सात गुना बढ़ गई, पर स्वास्थ्य सुविधाएं दोगुनी भी नहीं हो सकी हैं।

देश के कुल लगभग सत्तर हजार अस्पतालों में से साठ फीसद में तो पर्याप्त बिस्तर तक नहीं हैं। आनुपातिक तौर पर प्रति पैंसठ मरीज पर मात्र एक बिस्तर की उपलब्धता है। चिकित्सा खर्च इस कदर जेब पर भारी पड़ रहा है कि हर साल कर्ज लेकर, संपत्तियां बेचकर इलाज कराने वाली सात-आठ प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे पहुंच जाती है। तेंतालीस फीसद कमाई इलाज पर खर्च हो जा रही है। ऐसे ज्यादातर मरीज कैंसर, हृदय और मानसिक रोगों से पीड़ित होते हैं। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना की न तो फिलहाल दस करोड़ परिवारों तक पहुंच बन पाई है, न प्राथमिक उपचार के लिए पूर्व घोषित डेढ़ लाख 'हेल्थ ऐंड वेलनेस' केंद्र बन सके हैं।

एक तो निजी अस्पताल आयुष्मान योजना की तय सरकारी दरों पर इलाज के लिए सहमत नहीं हैं। दूसरे, पर्वतीय प्रदेशों को छोड़ कर अन्य राज्य इस योजना के तहत चालीस प्रतिशत इलाज का खर्च उठाने से कतराते हैं। बंगाल सरकार ने तो आयुष्मान भारत योजना को राज्य की स्वास्थ्य योजना में मिश्रित कर दिया है। नतीजे स्पष्ट हैं कि योजनाएं कागजी होकर रह गई हैं। देश की सवा अरब से अधिक आबादी के लिए स्वास्थ्य का मौजूदा ढांचा नितांत अपर्याप्त हो चला है।

शिक्षा और स्वास्थ्य के नाम पर 1990 के बाद से, देश में पता नहीं कितने अभियान, कार्यक्रम, नीतियां और निवेश सामने आ चुके हैं, तब भी स्वास्थ्य क्षेत्र में हालात जस के तस बने हुए हैं। देश में मानव संसाधनों का पारदर्शी इस्तेमाल न हो पाना भी इस विफलता की एक खास वजह है। अन्य क्षेत्रों की तरह स्वास्थ्य क्षेत्र के संसाधन भी मुट्ठी भर शक्तियों के हाथों में सिमट कर रह गए हैं। किसी जमाने में चिकित्सक को धरती का भगवान कहा जाता था, पर अब इस पेशे ने नई तकनीकों से लैस होकर बाजार का बाना ओढ़ लिया है।

सरकारें और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी ध्यान दें तो गरीबों का निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज हो सकता है। ऐसे मरीजों के लिए निजी अस्पतालों में दस फीसद आरक्षित बिस्तर मुहैया कराने का स्पष्ट प्रावधान है।

वर्ग पहेली 5342

1	2		3	4	5		
6			7				8
	9	10		11			
12		13	14		15	16	
	17				18		
19		20		21		22	
23	24		25				
26				27			

संकेतः बाएं से दाएं

1. यह अलाउद्दीन खिलजी का दरबारी कवि था और सितार ओर तबले के आविष्कार का श्रेय इन्हें दिया जाता है, इन्हें तोता-ए-हिंद भी कहा जाता है (6)
6. भाड़ में भूंजा गया अन्न, अन्न कण (2)
7. वर दक्षिणा को यह कहा जाता है (3)
9. मर्जी, इच्छा अनुमति (2)
11. किशोर कुमार की अभिनेत्री पत्नी (सिर्फ आरंभिक नाम)(2)
12. पृथ्वी, जमीन, धरती (1)
13. मेरा या मेरी (संस्कृत) (2)
15. मां का वह दुलार जो उसकी संतान पर होता है (3)
17. सामंत शब्द का अपभ्रंश (3)
18. रफ्तार, गति (2)
20. इच्छा, मांग, जरूरत (3)
22. एक देवता जो कुबेर के सेवक और उनकी निधि के रक्षक कहे गए है (2)
23. प्रतीक्षा करने का भाव (अंग्रेजी)(2)
25. मध्यप्रदेश का एक जिला जो विदिशा सांची जैसे स्थानों के पास स्थित है (2)
26. मनुष्यों का वर्ग, भूखंड (3)
27. नगर का रहने वाला (4)

ऊपर से नीचे

1. बेबाक, चुकता किया हुआ (2)
2. लाट, धौलहरा, प्रशस्ति स्तंभ (3)
3. स्वयं, आप (2)
4. सखी, सहचरी (3)
5. वह डायरी जिसमें प्रतिदिन की कार्यवाही विवरण लिखा जाता है (5)
8. अवाम, पब्लिक (3)
10. एक रीछ जो सुग्रीव का मंत्री था (4)
14. स्वार्थी, मतलब परस्त, खुदगर्ज (4)
16. कर्नाटक के दक्षिण तथा ट्रावंकर के पश्चिम वाला पहाड़ी हिस्सा जो पश्चिमी घाट में है (5)
19. पश्चिमी एशिया में स्थित एक संप्रभु अरब अमीरात है जिसकी सीमा उत्तर में सऊदी अरब और उत्तर और पश्चिम में इराक से मिलती है (3)
21. निर्मित करना, काय के योग्य होना (3)
24. पानी भरने का नांद के आकार का बर्तन (2)

वर्ग पहेली 5341 का हल

गु	ज	रा	त		गु	ला	ब
ट	न		ज	टि	ल		घा
नि	क	ल	ना		ब	हा	र
र		त		आ	द	मी	
पै	प	र		त	न		ब
क्ष	ति		का	शी		सा	ल
	व्र	त			सौ	र	भ
बे	ता	ब		भो	र		द्र

लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही राजनीतिक पार्टियां समीकरण साधने की जुगत में

संदीप राजपूत

लोकसभा चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा के साथ ही सभी राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने समीकरणों के साथ प्रचार अभियान में लग चुकी हैं। रैलियों और भाषणों में अनेक मुद्दों पर बात की जाती है, लेकिन किसी पार्टी का रुख इस बात से आंका जाता है कि चुनाव में जनता को अपने पक्ष में मत देने के लिए घोषणा पत्र में वह क्या वादे करती है।

इस क्रम में शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी किया, जिसे 'न्यायपत्र 2024' का नाम दिया गया है। इसमें कांग्रेस ने जनता से वादा किया है कि वह सत्ता में आने पर अलग-अलग सामाजिक वर्गों की स्थिति में सुधार के लिए नई योजनाएं लाएगी। मसलन, उसने अपने घोषणापत्र की पच्चीस गारंटियों को ठोस बताया है। हर गरीब महिला को हर वर्ष एक लाख रुपए, किसानों को कर्जमाफी के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य कानून, मनरेगा में कम से कम मजदूरी चार सौ रुपए की गारंटी के अलावा सामाजिक-आर्थिक समानता के लिए जाति आधारित जनगणना कराने जैसे कई वादे किए गए हैं।

इसमें एक तरह से भाजपा की ओर से जारी एक नारे 'मोदी की गारंटी' का जवाब देने की कोशिश है कि अगर मतदाता केंद्र में कांग्रेस को सरकार बनाने का मौका देते हैं, तो वह अपने घोषणापत्र में दर्ज जनता के कल्याण कार्यक्रमों को 'गारंटी' के स्तर पर लागू करेगी। यह छिपा नहीं है कि चुनाव आने पर राजनीतिक पार्टियों और उनके नेताओं की ओर से कितने बड़े-बड़े और कैसे वादे किए जाते हैं।

पिछले कुछ समय से तो लोगों को कोई सामान, उपहार या सुविधा मुफ्त में मुहैया कराने के वादे करके वोट मांगने का चलन हावी होता दिख रहा है। सवाल है कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि किन्हीं हालात में अगर उन्हें सरकार बनाने का मौका मिल जाता है तो उसके बाद वे या तो उन वादों को भूल जाते हैं या फिर उन्हें पूरा करने को लेकर वे अपनी कोई जिम्मेदारी नहीं समझते। जबकि जनता आमतौर पर राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की ओर से अपने भाषणों में दिए गए भरोसे, घोषणापत्र में दर्ज वादों के आधार पर किसी पार्टी को अपना समर्थन देकर सत्ता में पहुंचाती है और उसके बाद अपने लिए किसी कल्याण कार्यक्रम का इंतजार करती रह जाती है।

अव्वल तो जनता को ऐसे वादों के प्रति जवाब मांगने का मौका नहीं मिल पाता, क्योंकि चुने जाने के बाद बहुत कम जनप्रतिनिधि जनता के बीच अपनी मौजूदगी बनाए रखते हैं। दूसरे, अगले चुनाव तक फिर से राजनीतिक दलों के वादों का एक नया संजाल खड़ा हो चुका होता है। वादे करके उसे पूरा नहीं करने को लेकर सवाल भी उठते रहे हैं। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने काफी पहले चुनाव लड़ने वाले दलों और उम्मीदवारों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने और चुनाव प्रक्रिया की शुचिता खराब न होने देने के लिए निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी करने को कह चुका है। निर्वाचन आयोग ने भी यह स्पष्ट कर रखा है कि राजनीतिक दलों को ऐसे वादे करने से बचना चाहिए, जिनसे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता प्रभावित हो या मतदाताओं पर उनके मताधिकार का प्रयोग करने में अनुचित प्रभाव पड़ने की संभावना हो। ऐसे में स्वाभाविक ही यह सवाल उठता है कि इस आम चुनाव के मद्देनजर अपने-अपने घोषणा पत्रों में किए गए वादों को पूरा करने को लेकर कांग्रेस या अन्य सभी पार्टियां कितनी गंभीर और जिम्मेदार होंगी!

आज का राशिफल

मेष

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

वृषभ

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

मिथुन

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा।

कर्क

रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

सिंह

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़नेके अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं।

कन्या

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे।

तुला

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा।

वृश्चिक

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा।

धनु

चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है।

मकर

थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा।

कुंभ

कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा।

मीन

प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

सिर्फ आंबेडकर की वजह से जज बन पाया : जस्टिस बीआर गवई

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस गवई जल्द ही इतिहास रचने जा रहे हैं। साल 2025 में वह भारत के मुख्य न्यायाधीश यानी सीजेआई बनेंगे। अब खास बात है कि दलित समुदाय से आने वाले वह दूसरे व्यक्ति होंगे, जो इस पद पर बैठेंगे। वह अपने जज बनने का श्रेय भारत रत्न डॉक्टर भीम राव आंबेडकर को देते हैं। उनका कहना है कि आंबेडकर की वजह से ही वह यहां तक पहुंच सके हैं। सोमवार को आंबेडकर मेमोरियल लेक्चर के दौरान जस्टिस गवई ने कहा, भारतीय संविधान का श्रेय डॉक्टर बीआर आंबेडकर को जाता है। सिर्फ डॉक्टर बीआर आंबेडकर की वजह से मेरे जैसा व्यक्ति इस पद तक पहुंच सका, जिसने अर्ध झुग्गी बस्ती के क्षेत्र में म्यूनिसिपल स्कूल में पढ़ाई है। कार्यक्रम में उनके साथ जस्टिस एएस ओक भी मौजूद थे। जस्टिस ओक ने खासतौर से आर्टिकल 32 का जिक्र किया। उन्होंने कहा, कुछ लोग कहेंगे कि सुप्रीम कोर्ट को अनुच्छेद 32 की सभी याचिकाओं को हाईकोर्ट भेजे बगैर सुनना चाहिए, लेकिन हम एक आदर्श दुनिया में नहीं रहते हैं और अगर मामले लंबित नहीं होते तो तस्वीर कुछ और होती। सुप्रीम कोर्ट में 80 हजार मामले पेंडिंग हैं। उन्होंने कहा, हम सिर्फ संवैधानिक अदालत नहीं, बल्कि अपील कोर्ट भी हैं। जब हमारे पास काम बढ़ रहा है, तो हमें प्राथमिकताएं तय करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ऐसे कैदी हैं, जिन्हें स्थाई छूट से इनकार कर दिया गया है। ऐसे आरोपियों की तरफ से अपीले हैं, जिन्हें लंबे समय से अंदर रखा गया है। लेकिन कारोबारी भी हैं, जो वकीलों की बड़ी टीम लेकर आते हैं और कोर्ट का समय लेते हैं और तर्क देते हैं कि 19(1)(इ) का उल्लंघन हुआ है। तब हम आम अपराधी और कारोबारी में समानता कैसे ला पाएंगे। अनुच्छेद 32 के तहत अगर संविधान में दिए गए अधिकारी से किसी को वंचित रखा जाता है, तो वह नागरिक सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकता है।

22 अप्रैल को दिए जाएंगे पद्म पुरस्कार, क्या यह चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन?

नईदिल्ली, एजेंसी। पद्म पुरस्कारों के वितरण को लेकर राष्ट्रपति भवन में 22 अप्रैल को समारोह आयोजित होने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, आदर्श आचार संहिता लागू होने की वजह से देश के चुनाव आयोग को इसकी सूचना दे दी गई है। मालूम हो कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान होना है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दूसरे कैबिनेट सदस्य दिन भर चलने वाले इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा इस साल की गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि पुरस्कार विजेताओं को अगले सप्ताह आयोजित होने वाले समारोह के बारे में सूचना दी जा रही है। आदर्श आचार संहिता को लेकर अधिकारियों ने कहा कि पुरस्कार पहले ही घोषित हो चुके हैं, इसलिए किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं होता है। बीते दिनों, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह, भाजपा के सीनियर नेता लालकृष्ण आडवाणी, कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया। यह देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। ये पुरस्कार 16 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद दिए गए। 2023 में राष्ट्रपति ने दो समारोहों में पद्म पुरस्कार दिए थे। पहला कार्यक्रम 23 मार्च को और दूसरा 5 अप्रैल को आयोजित किया गया था। हालांकि, इस बार आम चुनावों के कारण कार्यक्रम में देरी हुई। इस साल पद्म पुरस्कार विजेताओं में कुल 132 जानी-मानी हस्तियां शामिल हैं।

कश्मीर में मस्जिद बनाने के लिए बुजुर्ग गरीब ने दान किया अंडा, 2 लाख से अधिक में हुआ नीलाम

कश्मीर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के एक गांव में मस्जिद निर्माण के लिए बुजुर्ग गरीब का दान किया एक अंडा दो लाख से अधिक कीमत में नीलाम हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गांव में मस्जिद बनाने के लिए कई लोग सामने आए हैं। इनमें एक गरीब शख्स का दान किया अंडा भी था। यह घटना अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। रिपोर्टों में कहा गया है कि सोपोर के सेब शहर में ग्रामीणों द्वारा मालपोरा गांव में मस्जिद के लिए दान जुटाना शुरू करने के बाद एक गरीब बुजुर्ग ने मस्जिद के लिए एक अंडा दान किया। मस्जिद समिति ने अंडे को स्वीकार कर लिया और अन्य दान की तरह, इसे भी नीलामी के लिए रख दिया। शख्स द्वारा मस्जिद के लिए दान किया अंडा आकर्षण का केंद्र बन गया था। मस्जिद समिति के सदस्यों ने बताया कि अंडे की कई बार नीलामी की गई। प्रत्येक नीलामी के बाद खरीददान धन जुटाने के लिए इस अंडे को दूसरी नीलामी के लिए वापस मस्जिद समिति को दे दिया कर देते थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, अंडे के आखिरी खरीददार ने 70,000रुपये में इसे खरीदा। इस तरह बार-बार अंडे की नीलामी से जुटाई गई कुल राशि लगभग 2.2 लाख हो गई है। मस्जिद समिति के एक सदस्य ने कहा, हमने इस अंडे की नीलामी पूरी कर ली है और इससे 2.26 लाख रुपये जुटाए गए हैं।

पूर्व गवर्नर का दावा- चिदंबरम और प्रणब के वित्तमंत्री रहते आरबीआई पर था अच्छी तस्वीर पेश करने का दबाव

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने अपने संस्मरण में कहा है कि प्रणब मुखर्जी और पी चिदंबरम के वित्त मंत्री रहते समय वित्त मंत्रालय आरबीआई पर ब्याज दरें नरम करने और आर्थिक वृद्धि की खुशनुमा तस्वीर पेश करने के लिए दबाव रहता था। सुब्बाराव ने हाल में प्रकाशित अपनी किताब जस्ट ए मर्सिनरी?: नोट्स फॉम माई लाइफ एंड करियर में यह भी लिखा है कि केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता के महत्व पर सरकार में थोड़ी समझ और संवेदनशीलता ही है।

उन्होंने किताब में कहा, सरकार और आरबीआई दोनों में रहने के बाद मैं तनिक अधिकार से कह सकता हूं कि केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता के महत्व पर सरकार के भीतर थोड़ी समझ और संवेदनशीलता ही है। सितंबर, 2008 में लेहमैन ब्रदर्स संकट शुरू होने के पहले आरबीआई के गवर्नर का पदभार संभालने से पहले सुब्बाराव वित्त सचिव थे। लेहमैन ब्रदर्स के दिवालिया हो जाने से दुनियाभर में गहरा वित्तीय संकट पैदा हो गया था। सुब्बाराव ने सरकार का जय-जयकार करने वाला रिजर्व बैंक? शीर्षक अध्याय में कहा है कि सरकार का दबाव नीतिगत ब्याज दर पर रिजर्व बैंक के रुख तक ही सीमित नहीं था। उस समय सरकार ने आरबीआई पर वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन से इतर वृद्धि और मुद्रास्फीति के बारे में बेहतर अनुमान पेश करने के लिए दबाव डाला था। उन्होंने कहा, मुझे प्रणब मुखर्जी के वित्त मंत्री रहते समय का ऐसा वाकया याद है। वित्त सचिव अरविंद मायाराम और मुख्य आर्थिक सलाहकार कौशिक बसु ने हमारे अनुमानों को अपनी धारणाओं और अनुमानों से चुनौती दी थी। सुब्बाराव को यह बात नागवार गुजरी थी कि चर्चा वस्तुनिष्ठ तर्कों से हटकर व्यक्तिपरक धारणाओं की ओर बढ़ गई। इसके अलावा रिजर्व बैंक को सरकार के साथ जिम्मेदारी साझा करने के लिए उच्च वृद्धि दर और कम मुद्रास्फीति दर का अनुमान पेश करने का सुझाव दिया गया। उन्होंने उस प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा, मायाराम ने एक बैठक में यहां तक कह दिया था कि जहां दुनिया में हर जगह सरकारें और केंद्रीय बैंक सहयोग कर रहे हैं, वहीं भारत में रिजर्व बैंक बहुत अड़ियल रुख अपना रहा है। सुब्बाराव ने कहा कि वह इस मांग से हमेशा असहज और नाखुश थे कि आरबीआई को सरकार के लिए चीयरलीडर बनना चाहिए। उन्होंने लिखा, मुझे इस बात से भी निराशा हुई कि वित्त मंत्रालय इन दोनों मांगों के बीच स्पष्ट असंगति पर ध्यान दिए बगैर ब्याज दर पर नरम रुख के लिए बहस करते हुए वृद्धि के लिए उच्च अनुमान की मांग करेगा। आरबीआई के पूर्व गवर्नर के मुताबिक, उनकी स्पष्ट राय थी कि रिजर्व बैंक सिर्फ जनता की भावनाओं के लिए अपने सर्वोत्तम पेशेवर निर्णय से पीछे नहीं हट सकता। उन्होंने कहा, हमारे अनुमान हमारे नीतिगत रुख के अनुरूप होने चाहिए। वृद्धि एवं मुद्रास्फीति के अनुमानों के साथ छेड़छाड़ से रिजर्व बैंक की विश्वसनीयता कम हो जाएगी। इसके साथ ही सुब्बाराव ने कहा कि सरकार और केंद्रीय बैंक के बीच ये तनाव केवल भारत या अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं में ही नहीं बल्कि समृद्ध देशों में भी सामने आते हैं। उन्होंने आरबीआई के नीतिगत रुख को लेकर चिदंबरम और मुखर्जी दोनों से अनबन होने की बात मानी है। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने हमेशा नरम दरों के लिए आरबीआई पर दबाव डाला लेकिन उनकी शैली अलग थी। सुब्बाराव ने लिखा, चिदंबरम ने आमतौर पर वकील की तरह अपने मामले की पैरवी की जबकि मुखर्जी एक बेहतरीन राजनेता थे। मुखर्जी ने अपने विचार रखे और इसपर चर्चा का काम अपने अधिकारियों पर छोड़ दिया। इसका नतीजा असहज संबंध के रूप में निकला। उन्होंने उस समय का भी जिक्र किया है जब मुखर्जी की जगह अक्टूबर, 2012 में चिदंबरम दोबारा वित्त मंत्री बने थे। सुब्बाराव ने लिखा, चिदंबरम नरम मौद्रिक व्यवस्था चाहते थे और उन्होंने आरबीआई पर ब्याज दर कम करने के लिए भारी दबाव डाला। लेकिन मैं अपने वस्तुनिष्ठ विचारों के चलते उनकी बात नहीं रख पाया। इससे नाखुश चिदंबरम ने सार्वजनिक रूप से रिजर्व बैंक के रुख पर अपनी कड़ी असहमति जता दी थी। सुब्बाराव ने कहा, चिदंबरम ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि वृद्धि भी मुद्रास्फीति जितनी ही चिंता का विषय है। अगर सरकार को वृद्धि की चुनौती का अकेले ही सामना करना है तो हम अकेले ही करेंगे। पूर्व आरबीआई गवर्नर ने इस संस्मरण के जरिये अपने सफर, उम्मीदें एवं निराशा, अपनी कामयाबी एवं नाकामियों और इस दौरान सीखे गए सबक को खुलकर और ईमानदारी के साथ दर्ज किया है।

घोटाला पीड़ितों ने तेजस्वी सूर्या को घेरा, मांगने लगे जवाब; धक्का-मुक्की के बीच किसी तरह निकले

बसवांगुड़ी, एजेंसी। बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या को रविवार को अपना चुनाव प्रचार कार्यक्रम बीच में ही छोड़ना पड़ गया। दरअसल, बसवांगुडी स्थित गुरु राघवेंद्र सहकारी बैंक नियामिथा से जुड़े करोड़ों रुपये के घोटाले में कई निवेशकों का पैसा डूब गया था। इन लोगों ने बेंगलुरु दक्षिण के सांसद को कल घेर लिया और उनसे जवाब मांगने लगे। रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा नेता के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। ये लोग अपने नुकसान के मुआवजे में देरी से भड़के हुए थे। इन्होंने सांसद और बसवांगुड़ी के भाजपा विधायक एलए रवि सुब्रमण्यम जैसे अन्य नेताओं से जवाब मांगा। इस पर नेताओं की ओर से निवेशकों को शांत करने की कोशिश की गई, मगर वे नहीं माने। इस घटनाक्रम के कुछ वीडियो क्लिप्स सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। इनमें देखा जा सकता है कि सूर्या को उनके सुरक्षाकर्मी कार्यक्रम स्थल से बाहर लेकर जा रहे हैं। वह कुछ निवेशकों के साथ बहस करते भी दिख रहे हैं।

कर्नाटक कांग्रेस की ओर से भी इस घटना का वीडियो ट्वीट किया गया है। इसमें तेजस्वी सूर्या पर कटाक्ष करते हुए कहा गया कि उन्हें इमरजेंसी एग्जिट डोर से बाहर लेकर जाना पड़ा। गुरु राघवेंद्र सहकारी बैंक में पैसा डूबने से पीड़ितों ने बीजेपी सांसद पर अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने इनकी शिकायतें सुनने के लिए एक दिन का भी समय नहीं दिया। राज्य कांग्रेस ने इसे लेकर सूर्या और सुब्रमण्यम के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का फैसला किया है। यह आरोप लगाया गया कि इन्होंने अपने लोगों को जमाकर्ताओं को संभालने और घटना की रिकॉर्डिंग कर रहे चुनाव एजेंटों की पिटाई करने का निर्देश दिया। तेजस्वी सूर्या के ऑफिस ने इस वायरल वीडियो को लेकर बयान जारी किया है। इसमें कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर मीटिंग को बाधित करने का आरोप लगाया गया है। बयान में कहा गया, भाजपा की बैठकों और सामुदायिक समारोहों में कांग्रेस बाधा डाल रही है।

लोकसभा चुनाव से पहले फोर्स को मिली बड़ी सफलता, हिंसा का रास्ता छोड़ 26 नक्सलियों का सरेंडर

दंतेवाड़ा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में एंटी नक्सल ऑपरेशन में लगे फोर्स को बड़ी कामयाबी मिली है। एसपी के सामे 26 नक्सलियों ने एक साथ सरेंडर कर दिया। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में एक इनामी माओवादी भी शामिल है।

एक लाख का इनामी जनताना सरकार अध्यक्ष के पद पर काम कर रहा था। प्रतिबंधित माओवादी संगठन ने 15 अप्रैल को बंद का आह्वान किया था। बंद के दौरान ही बड़ी संख्या में माओवादियों ने लोन वर्राटू अभियान के तहत सरेंडर किया है। एसपी गौरव राय ने बताया कि सरेंडर करने वाले नक्सली सड़क काटने, बैनर पोस्टर लगाने, नक्सलियों के लिए रशद इकट्ठा करने, आगजनी और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटना में शामिल रहे हैं। सरेंडर करने वाले माओवादियों ने पुलिस को बताया कि नक्सलियों की भेदभाव नीति और खोखली विचारधारा से तंग आकर वे हिंसा का रास्ता छोड़ कर रहे हैं। बता दें कि दंतेवाड़ा जिले में लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 717 नक्सलियों ने सरेंडर किया है, जिसमें 176 इनामी नक्सली हैं। इन नक्सलियों ने करोड़ों रुपये के इनामी माओवादी भी शामिल हैं। बीजापुर जिले में नक्सलियों के बंद का छिटपुट असर दिखा।

नेपाल की बेटियों को बहू तो बनाया लेकिन वोटर नहीं, लोकसभा चुनाव 2024 में अब कैसे करेंगी मतदान

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान को लेकर देशभर में युवाओं से लेकर महिलाओं-पुरुषों, और बुजुर्गों में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। देशभर में बीजेपी, कांग्रेस समेत कई राजनीतिक पार्टियां वोटरों को लुभाने की पूरी कोशिश करने में जुटी हुई हैं। लेकिन, चुनाव के इस महापर्व में एक वर्ग ऐसा भी है जो अपने वोटिंग से वंचित हो जाएगा। जी हां, ऐसा इसलिए संभव होगा क्योंकि वह वोटर नहीं है। नेपाल से शादी कर आई बहुत सी बेटियों को भारत ने बहू के रूप में तो स्वीकार कर लिया, लेकिन अभी मतदाता नहीं बनाया। एक अनुमान के मुताबिक,उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में ही धारचूला से लेकर झूलाघाट तक नेपाल मूल की ऐसी भारतीय बहुओं की संख्या 300 से अधिक है। नागरिकता के लिए आधार कार्ड की अनिवार्यता के कारण ये महिलाएं वोटर नहीं बन पा रही हैं, इसलिए मतदान से महरूम हैं। जबकि पहले राशन कार्ड में ही नाम जुड़वाकर नेपाल से आई बहू भारतीय परिवार का हिस्सा बन जाती थीं। भारत और नेपाल के बीच रोटी-बेटी के संबंध सदियों से रहे हैं। दोनों देशों के बीच प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में लोग विवाह बंधन में बंधते हैं। नेपाल की बेटियां सामाजिक तौर पर तो भारतीय बन जाती हैं, लेकिन सरकारी दस्तावेजों में इनके नाम जुड़वाने के लिए गम्भीरता नहीं दिखाई जा रही। इसके पीछे जानकारी का अभाव भी बड़ी वजह है। दरअसल महिलाओं और उनके परिजनों को जानकारी ही नहीं है कि नागरिकता के लिए कहां, कैसे आवेदन करना है। प्रशासन भी ऐसे लोगों के लिए कोई प्रयास नहीं करता। यही वजह है कि इनके पास विवाह के दो से आठ वर्ष बाद भी भारतीय नागरिकता नहीं है। इस कारण इनका नाम अब तक मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जा सका है। पहले राशन कार्ड के सहारे बन जाते थे मतदाता नेपाल मूल की महिलाएं पूर्व तक पति के राशन कार्ड के सहारे भारतीय नागरिक बन जाती थीं। दरअसल वर्ष 2014 से पूर्व राशनकार्ड ऑफलाइन हुआ करते थे। तब विवाह के बाद राशन कार्ड में महिला का नाम जोड़ दिया जाता था। इस तरह राशन कार्ड से परिवार रजिस्ट्रर और फिर मतदाता सूची में भी नाम जुड़ जाता था। लेकिन अब बगैर आधार कार्ड के राशन कार्ड में नाम नहीं जोड़ा जा सकता है। अब भारतीय नागरिकता लेने के लिए स्थानीय स्तर पर आवेदन करना होता है। फिर फाइल गृह मंत्रालय को भेजी जाती है। उसके बाद जरूरी प्रकिया पूरी होने पर नागरिकता देने का प्राविधान है। नेपाल मूल के लोगों को बगैर भारतीय नागरिकता के मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जा सकता है। भारतीय नागरिक होने की दशा में ही ऐसे लोगों को मतदाता सूची में शामिल करना संभव होगा।

लोकसभा चुनाव से पहले मायावती को बड़ा झटका, राजस्थान में बचे दो विधायकों ने भी छोड़ दी पार्टी

जयपुर, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बसपा सुप्रीमो मायावती को बड़ा झटका लगा है। राजस्थान के दो बसपा विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। दोनों विधायक शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हो गए हैं। बसपा के सादुलपुर विधायक मनोज न्यांगली और धौलपुर के बाड़ी से विधायक जसवंत गुर्जर ने हाथी का साथ छोड़ दिया है। दरअसल, राजस्थान में मायावती की पार्टी के केवल दो विधायक ही बचे थे। अब यह दोनों शिवसेना (शिंदे गुट) में चले गए हैं। एकनाथ शिंदे ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। बसपा से शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हुए विधायकों का स्वागत करते हुए एकनाथ शिंदे ने मराठी में एक्स पर लिखा, राजस्थान वीर महाराणा प्रताप की भूमि है तो महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि है। दोनों राज्यों का एक दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध है। इस धरती से दो शिलेदारों (योद्धा) के शिवसेना में शामिल होने से राजस्थान में शिवसेना और मजबूत हो गई है। दरअसल, इससे पहले बसपा के छह विधायक कांग्रेस में शामिल हो गए थे। तब अशोक गहलोत की सरकार थी। एक साथ छह विधायकों के पार्टी छोड़ने से राज्य में बसपा की स्थिति काफी कमजोर हो गई थी। कल (17 अप्रैल) को अलवर में मायावती की सभा होने वाली है। ऐसे में उन्हें एक और झटका लगा है। दो विधायक पार्टी छोड़ शिवसेना (शिंदे कैंप) में शामिल हो गए हैं। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने इसकी निंदा की है। उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। बता दें कि जसवंत सिंह गुर्जर ने बाड़ी विधानसभा सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को भारी मतों से हराया है। उन्होंने भाजपा के गिर्राज सिंह मलिंगा को 27424 मतों से हराया। गिर्राज सिंह मलिंगा कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। बसपा प्रत्याशी जसवंत सिंह गुर्जर को 106060 वोट मिले। वहीं सादुलपुर सीट पर मनोज न्यांगली ने 2574 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।

कांग्रेस की जीत से मंत्री पद नहीं जाएगा, सचिन पायलट का किरोड़ी लाल मीणा को जवाब

बांदीकुई, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने किरोड़ी लाल मीणा पर निशाना साधा है। बांदीकुई में मीडिया से बात करते हुए पायलट ने किरोड़ी लाल का नाम लिए बिना कहा- भाजपा के कुछ नेता गांव गांव कसम दिलवा रहे हैं। मैं आपसे फिर कहता हूं मुरारी लाल के सांसद बनने से और कांग्रेस की जीत से किसी का मंत्री पद जाने वाला नही है। कुछ लोग मंत्री पद छोड़ने के बात कर रहे है। मैं उन से कहता हूं की बड़ी मुश्किल से यह पद मिला है। इसे छोड़ना मत। इस लिए आपको कांग्रेस के पक्ष में मतदान करके मुरारी लाल जी को जिताकर भेजे हमारे हाथ मजबूत करें। चिन पायलट जी ने अपने संबोधन में कहा कि मैं कांग्रेस का नेता होने के कारण बांदीकुई में भाषण नही दे रहा। यहां मेरा हक आपके ऊपर और आपका हक मेरे ऊपर है। इसलिए हक से इसी रिश्ते से मै आपके बीच मुरारी लाल मीणा जी के लिए वोट मागने आया हूं। यह चुनाव देश का चुनाव है आप सब जानते है की 10 साल से 25 की 25 सीट भाजपा के पास है।

भीमराव आंबेडकर के पोते की भविष्यवाणी- पीएम नरेंद्र मोदी को हराने का इंडिया अलायंस में दम नहीं

मुंबई, एजेंसी। संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के पोते और वंचित बहुजन अघाड़ी के चीफ प्रकाश आंबेडकर ने कहा है कि अगर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा-आरएसएस फिर से सत्ता में आए तो निश्चित रूप से संविधान को बदल देंगे क्योंकि लोकतंत्र से उनलोगों को वैचारिक परेशानी है। हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में प्रकाश आंबेडकर ने दृढ़ता से विपक्षी इंडिया अलायंस की क्षमता पर भी संदेह जताते हुए कहा कि लोकसभा चुनावों में इस गठबंधन में अब दम नहीं कि वो भाजपा और मोदी को हरा सके।

वंचित बहुजन अघाड़ी के नेता ने कहा कि मजबूत विपक्ष की गैर मौजूदगी में अब आम जनता ही विपक्ष है और लोगों ने अब मोदी को हराने का फैसला कर लिया है। आंबेडकर ने कहा कि यह लोकसभा चुनाव अब मोदी बनाम जनता की लड़ाई बन चुकी है।

प्रकाश आंबेडकर महाराष्ट्र की अकोला संसदीय सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। अपने निर्वाचन क्षेत्र में अपने चुनाव प्रचार के बीच में आंबेडकर ने कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनावों में 400 सीटें जीतने के लक्ष्य के पीछे भाजपा का एकमात्र मकसद संविधान में बदलाव करना है। उन्होंने कहा कि बीजेपी और पीएम मोदी द्वारा तय किए गए 400 प्लस लक्ष्य के पीछे का मकसद भारत के संविधान को बदलना ही है। आंबेडकर ने कहा, सबसे पहले, हमें यह समझने की जरूरत है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ-साथ भाजपा और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को भी लोकतंत्र के साथ वैचारिक समस्याएं हैं। लोकतंत्र उन लोगों की मानसिकता और कार्यशैली के अनुकूल नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि संघ और संघ से जुड़े लोग जातीय वर्चस्व में भरोसा करते हैं जबकि भारत का संविधान उनकी विचारधारा को लागू करने में बाधक है। आंबेडकर ने कहा, चूंकि आरएसएस और बीजेपी 2029 में जीत को लेकर आश्वस्त नहीं हैं, इसलिए 2024 में सत्ता में आने पर वे भारत के संविधान को बदल देंगे और चीन की तरह एकल पार्टी शासन की संस्कृति लाएंगे ताकि 2029 में उनकी हार का कोई खतरा न रह सके। जब उनसे पूछा गया कि आपने इंडिया अलायंस क्यों नहीं ज्वाइन किया और आप बीजेपी की बी टीम के रूप में काम कर रहे हैं तो उन्होंने उन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ये सभी आरोप बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा, मैं इंडिया अलायंस वाले एमवीए गठबंधन से दोस्ती को तैयार था लेकिन एमवीए ने मुझे केवल दो सीटों की पेशकश की थी। मैं इसे कैसे स्वीकार कर सकता था।

आईएनडीआईए अलायंस को टेंशन दे रही मायावती की मुस्लिम 11 टीम

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव अब धीरे-धीरे जोर पकड़ रहा है और इसके साथ ही ज्यादातर पार्टियों ने अपने उम्मीदवार भी लगभग घोषित कर दिए हैं। उत्तर प्रदेश की बात करें तो भले ही सीधा मुकाबला भाजपा और आईएनडीआईए अलायंस में शामिल सपा और कांग्रेस के बीच है। लेकिन पश्चिम उत्तर प्रदेश समेत राज्य की तमाम सीटों पर बसपा भी एक फैक्टर बन रही है और इसका नुकसान सीधे तौर पर विपक्षी अलायंस को हो सकता है। अब तक बसपा ने 4 सूचियां जारी की हैं, जिनमें 46 कैंडिडेट्स घोषित कर दिए हैं। इनका विश्लेषण करें तो कुछ सीटों पर भाजपा की चिंता बढ़ती है, जैसे मुजफ्फरनगर में दारा सिंह प्रजापति मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं और संजीव बालियान का खेल बिगाड़ सकते हैं। यहां सपा ने हरेंद्र मलिक को उतारा है, जो मजबूती से जाट वोटों पर दावेदारी कर रहे हैं। इसके अलावा ठाकुरों की नाराजगी के चलते सरधना में चीजें उतना पक्ष में नहीं दिखतीं। इन सबके बीच दारा सिंह प्रजापति ओबीसी समाज के एक बड़े हिस्से को काट पाएं तो संजीव बालियान की स्थिति कमजोर हो सकती है। इसके अलावा बसपा ने जौनपुर में धनंजय सिंह की पत्नी को टिकट दिया है और सारे समीकरण बिगाड़ दिए हैं। इसका नुकसान भाजपा को हो सकता है। हालांकि इसके अलावा सहारनपुर, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, अमरोहा, आंवला, पीलीभीत समेत कन्नौज और लखनऊ तक की सीटों पर बसपा का असर आईएनडीआईए अलायंस पर ही विपरीत पड़ रहा है। ऐसी 11 सीटों पर बसपा ने मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं। यह इसलिए अहम है क्योंकि इन सीटों पर मुस्लिम आबादी काफी है और यदि बसपा कैंडिडेट कुछ वोट भी अपने समाज का ले गए तो चीजें बदल सकती हैं। बसपा की ओर से 11 कैंडिडेट उतारना इसलिए अहम है क्योंकि सपा ने उसके मुकाबले कम ही मुस्लिमों को मौका दिया है। यहां तक कि मुरादाबाद जैसी सीट से एसटी हसन का टिकट काटकर रुचिवीरा को मौका मिला है। मुसलमानों के अलावा बसपा ने बड़ी संख्या में ब्राह्मण भी उतारे हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि किस पार्टी को इससे नुकसान होता है और कौन बाजी मार ले जाएगा। जैसे बांदा की सीट से बसपा ने मयंक द्विवेदी को मौका दिया है। मुस्लिम वोटर किसके संग? सपा, बसपा, कांग्रेस के साथ भाजपा की भी नजर इसके अलावा अकबरपुर से राकेश द्विवेदी, मिर्जापुर से मनीष त्रिपाठी, उन्नाव से अशोक पांडे, फैजाबाद से सच्चिदानंद पांडे और बस्ती से दयाशंकर मिश्रा को टिकट मिला है। ये सभी सीटें ब्राह्मण बहुल हैं और यदि समुदाय का वोट मिला तो भाजपा को ही नुकसान पहुंचेगा। टिकट बंटवारे के अलावा बसपा जिस तरह भाजपा पर सीधे हमला बोल रही है, मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने पिछले दिनों कहा था कि बसपा नई बाबरी मस्जिद के निर्माण के समर्थन में है। इस तरह के बयान और मुस्लिम उम्मीदवारों को उतारकर बसपा पोलराइजेशन करने की स्थिति में है और इसका सीधा फायदा भाजपा को ही मिलेगा। इसके अलावा मुरादाबाद, पीलीभीत, नगीना और बिजनौर जैसी सीटों पर खुद मायावती की रैलियां होनी हैं। इससे भी असर दिखेगा।

आईपीएल-2024ः बाल-बाल बचा सबसे तेज शतक का ऐतिहासिक रिकॉर्ड...

हेड ने उड़ाए गेंदबाजों के होश

बेंगलुरू, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई टीम के स्टार ओपनर ट्रेविस हेड ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सीजन में अपने बल्ले से धूम मचा दी. सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेल रहे हेड ने सोमवार (15 अप्रैल) को एक ऐसी धुआंधार शतकीय पारी खेली, जिससे आईपीएल इतिहास का एक धांसू रिकॉर्ड टूटने से बाल-बाल बच गया. ओपनर ट्रेविस हेड ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ जमकर बल्ला चलाया और 39 गेंदों पर शतक जड़ दिया. इस तरह आईपीएल इतिहास का सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड टूटने से बच गया. आईपीएल में यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के स्टार क्रिकेटर क्रिस गेल के नाम दर्ज है.

गेल और पठान का रिकॉर्ड टूटने से बचा

आरसीबी के लिए खेलते हुए गेल ने 30 गेंदों पर शतक जमाया था. उन्होंने यह पारी 23 अप्रैल 2013 को पुणे वॉरियर्स के खिलाफ खेली थी. तब गेल ने 66 गेंदों पर नाबाद 175 रनों की आतिशी पारी खेली थी. इसके बाद इस लिस्ट में दूसरा नाम पूर्व भारतीय ऑलराउंडर यूसुफ पठान का है.

राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए यूसुफ पठान 37 गेंद पर शतक जमाया था. उन्होंने 13 मार्च 2010 को मुंबई के खिलाफ ब्रेबॉर्न में यह 100 रनों की पारी खेली थी. इसके बाद डेविड मिलर हैं, जिन्होंने पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए 38 गेंदों पर शतक जमाया था.

मिलर ने 6 मई 2013 को आरसीबी के खिलाफ मोहाली में 101 रनों की पारी खेली थी. इस तरह ट्रेविस हेड अब 39 गेंद पर सबसे तेज शतक लगाने वाले आईपीएल के चौथे खिलाड़ी बन गए हैं. हेड ने 39 गेंदों पर शतक जमाने के दौरान 8 छक्के और 9 चौके जमाए. उनका स्ट्राइक रेट 255 का रहा. हेड ने मैच में 41 गेंदों पर कुल 102 रनों की पारी खेली.

आईपीएल में सबसे तेज शतक

30 बॉल - क्रिस गेल VS पुणे वॉरियर्स, बेंगलुरु 2013
37 बॉल - यूसुफ पठान VS मुंबई, ब्रेबॉर्न 2010
38 बॉल - डेविड मिलर VS आरसीबी, मोहाली 2013
39 बॉल - ट्रेविस हेड VS आरसीबी, बेंगलुरु 2024
42 बॉल - एडम गिलक्रिस्ट VS मुंबई, डीवाई पाटिल 2008

दिनेश कार्तिक बने टी20 वर्ल्ड कप के बने दावेदार

बेंगलुरु, एजेंसी। आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच मैच 11 अप्रैल को खेला जा रहा था. दिनेश कार्तिक बल्लेबाजी कर रहे थे, ईशान किशन के बगल में स्लीप पर खड़े रोहित शर्मा ने उनको मैच के दौरान कहा शाबाश डीके, वर्ल्ड कप खेलना है अभी...

यह सुनकर कार्तिक मुस्कुराए और बल्लेबाजी करने लगे. कार्तिक ने उस मैच में 23 गेंदों पर 53 रन की पारी खेली, वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जिस तरह तरह की मनचाही बल्लेबाजी की, उससे , ऋषभ पंत, संजू सैमसन, केएल राहुल, ईशान किशन और जितेश शर्मा जैसे कीपर्स के लिए खतरे की घंटी बन गए हैं, खासकर टी20 वर्ल्ड कप से पहले.

दिनेश को जो बदला हुआ रूप इस बार फिर से आईपीएल में दिख रहा है कि उससे एक बात तो तय है कि वो दूसरे विकेटकीपर्स के लिए चुनौती बन गए हैं. उनकी 38 साल की उम्र को एकबारगी को साइड में कर दिजिए, फिश्र सोचिए..अब तक फिलहाल जिस तरह वह आईपीएल में खेल रहे हैं, उससे एक बात तो साबित हो गई है कि उनके अंदर अब भी इस फॉर्मेट में खेलने का दम बाकी है.

ऐसे में बड़ा सवाल है कि रोहित शर्मा ने भले ही मजाक में दिनेश कार्तिक से यह बात कही हो, लेकिन अब कार्तिक टी20 वर्ल्ड कप 2024 में खेलने के लिए उतरने वाले विकेटकीपर्स की रेस में तो आ गए हैं. कार्तिक ने इस दौरान टी20 में 6000 रन भी पूरे किए.

संक्षिप्त समाचार

मुस्तफ़िज़ुर रहमान 1 मई तक चेन्नई के लिए उपलब्ध रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपने तेज़ गेंदबाज़ मुस्तफ़िज़ुर रहमान के चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अनापत्ति पत्र को एक दिन के लिए बढ़ा दिया है। इसका मतलब है कि अब मुस्तफ़िज़ुर 30 अप्रैल को वापस लौटने की जगह 1 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

बांग्लादेश क्रिकेट ऑपरेशन के उप प्रबंधक शहरयार नफ़ीस ने कहा, हमने 30 अप्रैल तक मुस्तफ़िज़ुर को आईपीएल में खेलने की छूट दी थी, लेकिन 1 मई को ही चेन्नई का एक मैच है। टीम और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के द्वारा अनुरोध प्राप्त होने के बाद हमने मुस्तफ़िज़ुर की छुट्टी एक दिन के लिए बढ़ा दी है। मुस्तफ़िज़ुर ने पांच मैचों में 18.30 की औसत से 10 विकेट चटकाए हैं जिसमें पहली बार आईपीएल में उनके द्वारा एक मैच में लिए गए चार विकेट भी शामिल हैं। 2021 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने के बाद यह उनका आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हो गया है। आग़ामी टी20 विश्व कप के वीज़ा संबंधित काम के चलते मुस्तफ़िज़ुर पिछले सप्ताह ढाका में थे। श्रीलंका के ख़िलाफ़ पिछली टी20 सीरीज़ में केवल दो विकेट लेने के बाद मुस्तफ़िज़ुर को बांग्लादेश की वनडे टीम से बाहर कर दिया गया था और अब उन्होंने सही समय पर विकेट लेने शुरू किए हैं।

मोहन बागान ने पहली बार आईएसएल लीग शील्ड जीती

लीग के आखिरी मैच में मुंबई सिटी एफसी को 2-1 से हराया

नईदिल्ली, एजेंसी। मोहन बागान ने सुपर जायंट इंडियन सुपर लीग 2023-24 को अपने नाम कर लिया है। सोमवार को घरेलू मैदान साल्ट लेक स्टेडियम में खेले गए मैच में मोहन बागान ने मुंबई सिटी स्रष्ट को 2-1 से हराया। इसके साथ ही मोहन बागान पॉइंट टेबल पर पहुंच गया। मोहन बागान पहली बार लीग खिताब जीता है। मोहन बागान से लिस्टन कोलाको और जेसन कमिंग्स ने गोल किए। वहीं दोनों गोल में असिस्ट करने के लिए दिमित्रियोस पेट्राटोस को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं मुंबई सिटी की ओर से एक गोल विंगर लालियानजुआला छांगटे

ने किया। मोहन बागान सुपर जायंट ने 22 मैचों में 15 जीत, तीन ड्रा और चार हार से 48 अंक लेकर पॉइंट टेबल में तीसरे स्थान से सीधे टॉप पर पहुंच कर लीग दौर समाप्त किया। वहीं मुम्बई सिटी स्रष्ट 22 मैचों में 14 जीत, पांच ड्रा और तीन हार से 47 अंक लेकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई। मैच से पहले दोनों टीमों के कप्तान और मैच रेफरी।

हाफ टाइम में मोहन बागान ने 1-0 से आगे

मैच का पहला गोल 28वें मिनट में आया, जब विंगर लिस्टन कोलाको ने मोहन बागान सुपर जायंट को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। ऑस्ट्रेलियाई स्ट्राइकर दिमित्रियोस पेट्राटोस ने अटैकिंग थर्ड से बॉक्स के ठीक बाहर बाईं तरफ लिस्टन को बॉल पास की और लिस्टन ने इसे गोल में तब्दील कर दिया।

दूसरे हाफ में दोनों टीमें ने एक- एक गोल किया

दूसरे हाफ में दोनों टीमों की ओर से एक-एक गोल हुआ। मैच के 80वें मिनट में ऑस्ट्रेलियाई स्ट्राइकर जेसन कमिंग्स ने गोल करके मोहन बागान की बढ़त को मजबूत करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। फिर 89वें मिनट में लालियानजुआला छांगटे ने सीजन का अपना सातवां गोल करके मुम्बई सिटी स्रष्ट को कुछ राहत पहुंचाते हुए अंतर 1-2 कर दिया। मैच के दौरान दोनों टीमें बॉल को अपने पास रखने के लिए जूझते हुए।

आखिरी दो मिनट में मोहन बागान को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा

मोहन बागान को 90+2वें मिनट में दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, जब ब्रैंडन हैमिल को दूसरा यलो (रेड) कार्ड रेफरी वेंकटेश आर. ने दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया। ऑस्ट्रेलियाई सेंटर-बैक को पहला यलो कार्ड 90+1वें मिनट में मिला था।

पूर्व क्रिकेटर माइकल स्लेटर को पुलिस ने हिरासत में लिया

पर्थ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर माइकल स्लेटर को एक दर्जन से अधिक अपराधों के आरोप लगने के बाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। 54 साल के स्लेटर ने सोमवार को मारूचिडोर मजिस्ट्रेट कोर्ट में अपने मामले का उल्लेख किया था। वह 5 दिसंबर, 2023 से 12 अप्रैल, 2024 के बीच अलग-अलग तारीखों पर क्वींसलैंड के सनशाइन कोस्ट पर किए गए कथित अपराधों से संबंधित 19 आरोपों का सामना कर रहे हैं। आरोपों में गैरकानूनी तरीके से पीछा करना, डराना-धमकाना, रात में घर में घुसना, शारीरिक नुकसान पहुंचाने वाले हमले और घरेलू हिंसा के अपराध शामिल हैं। कोर्ट ने भी दस आरोप लगाए

पूर्व सलामी बल्लेबाज और टीवी कमेंटेटर पर जमानत का उल्लंघन करने और घरेलू हिंसा के आदेश का उल्लंघन करने के दस आरोप भी लगाए गए थे।

हैदराबाद से हार के बाद भी बेंगलुरु के पास है प्लेऑफ में पहुंचने का..

नईदिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा. फाफ डु प्लेसी की अगुवाई वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को सनराइजर्स हैदराबाद ने 25 रनों से हराया. दरअसल, अब तक 7 मैचों में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 6 शिकस्त का सामना करना पड़ा है, जबकि यह टीम महज पंजाब किंग्स के खिलाफ जीतने में कामयाब रही. रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर 7 मैचों में 2 प्वॉइंट्स के साथ सबसे निचले यानी दसवें पायदान पर काबिज है. लेकिन क्या अब रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर प्लेऑफ के लिए क्वॉलीफाई कर सकती है? क्या रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की प्लेऑफ खेलने की उम्मीदें जिंदा हैं?

दरअसल, यहां से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर प्लेऑफ के लिए क्वॉलीफाई कर सकती है, लेकिन यह बेहद मुश्किल होने वाला है. इस टीम के पहले 7

मैचों में महज 2 प्वॉइंट्स हैं. अब आरसीबी के 7 मुकाबले बचे हैं, अगर फाफ डु प्लेसी की अगुवाई वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर अपने आगामी सभी 7 मुकाबले जीतने में कामयाब रहती है तो कुल 16 प्वॉइंट्स हो जाएंगे, लेकिन इतने से आरसीबी का काम नहीं बनेगा. इसके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को बाकी टीमों के परिणाम पर निर्भर रहना होगा, यानी अब हालात आरसीबी के कंट्रोल में नहीं है, लिहाजा इस टीम के लिए प्लेऑफ में पहुंचना बेहद चुनौतीपूर्ण है.

अब तक ऐसा रहा है रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का सफर...

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने पंजाब किंग्स को जरूर हराया, लेकिन इसके चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, राजस्थान रॉयल्स, मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है. अब रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर अपना आगामी मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेलेगी.

आईपीएल 2024 के बीच मैक्सवेल ने मांगा आरसीबी से ब्रेक

बेंगलुरु, एजेंसी। एक हाई स्कोरिंग मुकाबले में सोमवार को एसआरएच के खिलाफ आरसीबी को हार झेलनी पड़ी। इस मैच के दौरान क्रिकेट फैंस को एक बड़ा सवाल परेशान कर रहा था कि आखिर ग्लेन मैक्सवेल को प्लेइंग 11 से क्यों ड्रॉप किया गया।

आरसीबी के स्टार ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल मौजूदा सीजन में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। जब ग्लेन मैक्सवेल का नाम एसआरएच के खिलाफ प्लेइंग-11 में नहीं था, तो सबको लगा शायद उन्हें ड्रॉप किया गया है, या फिर वो चोटिल हैं। हालांकि बाद में पता चला कि मामला ही कुछ और है। ग्लेन मैक्सवेल ने मानसिक और शारीरिक थकान के चलते आईपीएल 2024 से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने का फैसला किया है।

हार्दिक पंड्या के लिए टी20 वर्ल्ड कप में जगह बनाना हुआ मुश्किल

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से पहले जब मुंबई इंडियंस मैनेजमेंट ने हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया था, तो उन्होंने भी नहीं सोचा होगा कि आईपीएल 2024 के दौरान उन्हें इतनी ज्यादा आलोचनाओं का सामना करना पड़ेगा।

रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के कप्तान बने, लेकिन टीम के साथ-साथ खुद हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन काफी ज्यादा औसत दर्जे का रहा है। मुंबई इंडियंस ने कुल छह मैच खेले हैं और इस दौरान टीम को महज दो मैचों में ही जीत नसीब हुई है। इस दौरान हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन ना बैटिंग में और ना ही बॉलिंग में कुछ कमाल कर पाए हैं। इस बीच एक और खबर आ रही है कि हार्दिक पांड्या के लिए इस साल होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय स्क्वॉड में जगह बनाना आसान नहीं होने वाला है। खबर के मुताबिक मुंबई हेड क्वार्टर में हुई मीटिंग में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, चीफ सिलेक्टर अजीत अगारकर और हेड कोच राहुल द्रविड़ के बीच मीटिंग हुई थी, जिसमें रोहित शर्मा ने कहा था कि उनका फोकस अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए एक पेसर ऑलराउंडर पर है।

आईपीएल 2024 की बात करें तो हार्दिक पांड्या ने ज्यादा गेंदबाजी की नहीं है और जब की भी है, तो बिल्कुल भी असरदार नजर नहीं आए हैं। हाल में मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच मैच खेला गया था, जिसमें हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस की ओर से आखिरी ओवर किया था, जिसमें एमएस धोनी ने उनकी लगातार तीन गेंदों पर तीन छक्के लगाए थे।

आईपीएल में हार्दिक पांड्या के प्रदर्शन ने उनके बॉलिंग परफॉर्मेंस पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे में उनका टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सीधा जगह बना पाना मुश्किल नजर आ रहा है। हार्दिक पांड्या की स्ट्रेंथ उनके तेज तर्रार शॉट्स के साथ-साथ उनकी गेंदबाजी रही है, और अगर वह इन दोनों रोल में हिट नहीं हो पाते हैं, तो ऐसे में उनके लिए टी20 स्क्वॉड में वापसी करना मुश्किल होगा।

महान स्पिनर डैरेक अंडरवुड का निधन, इंग्लैंड के लिए 86 टेस्ट में लिए थे 297 विकेट

लंदन, एजेंसी। गावस्कर ने कहा था कि अंडरवुड का सामना करना बेहद कठिन होता था, क्योंकि वह बेहद सटीक होते थे। उन्होंने 1977 में भारत के खिलाफ खेली गई पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 29 विकेट लिए थे। यह सीरीज इंग्लैंड ने 3-1 से जीती थी। इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले बाएं हाथ के महान स्पिनर डैरेक अंडरवुड का 78 वर्ष की उम्र में केंट में निधन हो गया।

इंग्लैंड के लिए 86 टेस्ट मैच में 297 विकेट और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 2,465 विकेट लेने वाले अंडरवुड 60 और 70 के दशक में बेहद खतरनाक स्पिनर माने जाते। बिना ढके हुए विकेटों पर उनकी गेंदों को खेलना टेढ़ी खीर होती थी। उन्होंने अपनी गेंदों से सुनील गावस्कर जैसे दिग्गज को काफी परेशान किया। उन्होंने गावस्कर को 12 बार आउट किया। गावस्कर अपने करियर में सबसे ज्यादा बार उन्हीं की गेंदों पर आउट हुए। इमरान और होल्डिंग ने उन्हें 11-11 बार आउट किया था। गावस्कर ने कहा था कि अंडरवुड का सामना करना बेहद कठिन होता था, क्योंकि वह बेहद सटीक होते थे।

जबरन कब्जा करने को लेकर कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

पन्ना

जिले के रैपुरा तहसील अन्तर्गत ग्राम मढिया निवासी आवेदक भारतेन्द्र सिंह परमार पिता जगपाल सिंह परमार ने कलेक्टर तथा पुलिस अधीक्षक के नाम दिये आवेदन मे उल्लेख किया कि मेरी गांव मे पैत्रिक कृषि भूमि है जिस पर दबंगो द्वारा जबरजस्ती कब्जा कर रखा है तथा खेती नही करने दी जा रही है। आवेदक ने उल्लेख करते हुए बताया कि मेरी कृषि आराजी क्र. 310, 311, 312, 313 रकवा क्रमशः 0.2300, 0.3400, 0:2100, 0.1500 हे0 कुल किता 04, कुल रकवा 0.9300 हे0 का एक खेत है, जो आवेदक की स्वयं की पैतृक आराजी है जिसमें आवेदक द्वारा इस बार चना एवं गेहूं की फसल बोई थी। आरोपीगण प्रतिपाल सिंह जीतेन्द्र सिंह, नेपाल सिंह एवं महेन्द्र सिंह ने जबरन पशुबल के आधार पर आवेदक की उक्त आराजी नं. 310 रकवा 0.2300हे0 के अंश भाग एव मेढ़ पर कब्जा कर लिया है, तथा आवेदक जब उनसे

अपनी पैतृक आराजी से कब्जा हटाने के लिए बात करता है तो वह लाठी डण्डा लेकर खड़े हो जाते हैं और कहते हैं तेरा सारा खेत छुड़ा लेंगे, तुम अब खेत नहीं जोत पाओगे। हम तुम्हारी सारी आराजी अपने कब्जे में करके उसमें हम खेती करेंगे। तुम यहाँ रह भी नहीं पाओगे। हम परिवार के 6 लोग होते हैं, हमारे पास जनबल अधिक है, और हमने इस तरह से कई लोगों के खेत छुडाए हैं गांव के लोग हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाये तुम भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते हो। हमारी पहुंच ऊपर तक है। इसलिए शांति से तुम अपना खेत हमें दे दो और गांव छोड़ कर चले जाओ। यह कि मैं आरोपियों के इस कृत्य से बहुत डरा सहमा हूँ। मेरी सम्पत्ति पर जबरन कब्जा कर छुड़ाने के उददेश्य से आरोपियों के द्वारा दबाव बनाया जा रहा है। जिसमें मुझे अत्यधिक नुकसान है और मेरी जान माल का खतरा भी आरोपियों से बना हुआ है। आरोपीगण दबंग एवं आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं. तथा वह गांव में आये दिन मारपीट करते रहते हैं गांव के अन्य चार लोगों की भी इसी प्रकार से जमीनें उक्त लोगो द्वारा छीन ली गई हैं और गांव में अराजकता का माहौल पैदा किए है तथा इनके खिलाफ थाना सिमरिया में अनेक आपराधिक मामले पंजीबद्ध हैं तथा न्यायालय में भी आपराधिक प्रकरण विचाराधीन हैं। इनके विरुद्ध संगीन अपराध के मामले भी पंजीबद्ध हैं और आये दिन गरीबों के साथ अन्याय करते रहते हैं। जिससे मुझमें डर व्याप्त है और मैं असहाय होकर गांव छोड़कर पन्ना आकर रहने लगा हूँ। आवेदक ने प्रशासन से संबंधितो पर कडी कार्यवाही करने की मांग की है।

जिले भर मे ठंडा पेय पदार्थ करने के नाम पर लुट रहे उपभोक्ता

पन्ना। गर्मी में अनेक प्रकार के शीतल पेय की बिक्री किये जाते है। जिसमे विक्रय करने वाले दुकानदारो को भारी मुनाफा होता है। उसके बाद भी दुकानदार पेय पदार्थ ठंडा करने के नाम पर आम उपभोक्ताओ को पांच रूपये से लेकर दस रूपये तक अतिरिक्त चार्ज लेते है। पन्ना जिला मुख्यालय से लेकर तहसील स्तर, कस्वा स्तर तथा गांव गांव मे भीषण गर्मी के चलते पेय पदार्थो की विक्री बड जाती है। जिसका लाभ आम दुकानदार उठा रहें है। पन्ना जिले मे पवई, अजयगढ, गुनौर, मोहन्द्रा, शाहनगर, ककरहटी सहित सभी दुकनो पर यह बेखोफ चल रहा है। प्रशासन के जिम्मेवार विभाग खाद्य विभाग तथा नापतोल विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नही की जाती है। जिससे दुकानदार आम उपभोक्ताओ के साथ यह लूट का कारोबार लगातार चला रहें है। ऐसा नही है कि इसकी जानकारी जिम्मेवारो को नहीं है। जानकारी होने के बावजूद भी शासन द्वारा इनके द्वारा अभीयान भी चलाया जा रहा है। जिले भर मे नकली पेय पदार्थो की भी विक्री व्याप्क स्तर पर देखी जा सकती है। मिले जुले नामो से पेयपदार्थ विक्रय किये जाते है। जिसमे अधिक मुनाफा होता है। दुकानदारो द्वारा जनता के स्वास्थ के साथ लगातार खेलवाड किया जा रहा है। स्थानीय लोगो ने जिला प्रशासन से अभीयान चला कर कार्यवाही करने की मांग की है।

अखिल भारतीय ब्राम्हण एकता परिषर के अध्यक्ष पद से चनपुरिया ने दिया स्तीफा

पन्ना। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष पद पर रहे एस कुमार चनपुरिया ने अपना त्यागपत्र दे दिया है। त्यागपत्र देने का कारण अपनी निजी व्यस्तताओं और पारिवारिक दायित्वों में के कारण संगठन को समय न दे पाना बताया गया है। चनपुरिया के त्याग पत्र उपरांत आगामी नियुक्ति तक वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नरेश शर्मा जबलपुर, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व निर्वहन करेंगे।

अनुपस्थित श्रेणी के मतदाताओं के घर पहुंचकर कराया मतदान

107 वर्ष की गुंदाबाई राजपूत ने भी डाला वोट

पन्ना। लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत खजुराहो संसदीय क्षेत्र के सात विधानसभा क्षेत्रों में मतदान दल द्वारा 15 अप्रैल को अनुपस्थित श्रेणी के मतदाताओं के घर पहुंचकर भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन अनुसार मतदान संपन्न करवाया गया। खजुराहो लोकसभा की चंदला विधानसभा में मतदान दल द्वारा 18 अप्रैल को होम वोटिंग करवाई जाएगी। आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन में 85 वर्ष से अधिक आयु एवं दिव्यांग मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा प्रदान की गई थी। निर्धारित तिथि तक फार्म 12 डी में आवेदन करने वाले एवं सहमति प्रदान करने वाले ऐसे मतदाताओं द्वारा घर से मतदान किया गया। मतदान दल में शामिल अधिकारी-कर्मचारी सोमवार को सुबह शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना से मतदान

सामग्री प्राप्त कर निर्धारित रूट पर वाहनों से मतदान संपन्न कराने के लिए रवाना हुए। इस दौरान पात्र मतदाताओं ने घर से सुगमतापूर्वक मतदान किया और आयोग द्वारा प्रदान इस सुविधा की सराहना भी की। किन्हीं कारणोंवश मतदान दल के प्रथम भ्रमण के दौरान मतदान से वंचित अनुपस्थित श्रेणी के मतदाता द्वितीय भ्रमण के दौरान अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। खजुराहो लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत होम वोटिंग की सहमति प्रदान करने वाले पन्ना जिले में अनुपस्थित श्रेणी के मतदाताओं की संख्या 813 है, जबकि छतरपुर जिले में 271 और कटनी जिले में 881 मतदाता हैं।

होम वोटिंग के दौरान ग्राम मड़ला निवासी 107 वर्षीया गुंदाबाई ने भी घर से मतदान किया और अपनी उंगली पर लगी अमिट स्याही दिखाकर कर्त्तव्य निभाने का संदेश दिया। उनके पुत्र ने बताया कि उनके वृद्ध माता मतदान केन्द्र तक पहुंचने में अक्षम थीं। आयोग द्वारा प्रदान की गई इस सुविधा के बारे में बताने पर उन्होंने घर से मतदान करने की इच्छा जताई। गुंदाबाई की भांति 85 वर्ष से अधिक आयु के अन्य बुजुर्ग मतदाताओं और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं द्वारा भी लोकसभा निर्वाचन में अपने मताधिकार का उपयोग किया गया और भारत निर्वाचन आयोग का आभार जताकर खुशी व्यक्त की गई।

लीनेश क्लब द्वारा स्वास्थ शिविर का किया गया आयोजन

पन्ना। लीनेस क्लब पन्ना द्वारा लगातार कई वर्षों से नगर में समाज कल्याण के कार्य किये जा रहे है। क्लब का मुख्य उद्देश्य समाज की सेवा करना है। इस कदम को आगे बढ़ते हुए क्लब द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अस्पताल चौराहा स्थित मैस्कॉट हॉस्पिटल, पन्ना में किया गया। जिसमें डॉ भारती खरे, डॉ जागृति राजपूत एवं डॉ.के.पी. राजपूत द्वारा शिविर में आए सभी मरीजों का स्वास्थ परिक्षण करते हुए आवश्यक उपचार प्रदान किया गया। क्लब द्वारा उपस्थित महिलाओं को परिवार नियोजन एवं बच्चों के पोषण से संबंधित अनेक जानकारीयां प्रदान की गई साथ ही साथ क्लब द्वारा अस्पताल के बाहर निःशुल्क प्याऊ प्रारंभ कराया गया। इस दौरान क्लब की अध्यक्ष शिखा पांडेय, सचिव शालिनी जायसवाल, कोषाध्यक्ष शशि वाला त्रिपाठी, चेयरपर्सन राखी पाटकर, कुमकुम राजे, मनीषा दीक्षित, अमिता तिवारी, रचना पाटकर, अंजलि सिंह, सुनीता गुप्ता, माला जैन, साधना पाटकर, श्वेता गुप्ता, अंजली गोस्वामी, मुदिता खरे अन्य सभी सदास्य उपस्थित रहे।

ग्राम सरसा मे मनाई गई बाबा साहब अंबेडकर की जयंती

पन्ना/आदिवासी बहुल्य क्षेत्र कल्दा पठाकर के ग्राम पंचायत मोहली धरमपुरा के ग्राम सरसा मे संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई।

राम नवमी के अवसर पर निकलेगी भव्य शोभा यात्रा

पन्ना। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री राम जन्मोत्सव पन्ना नगर में बड़े धूमधाम से मनाए जाने की तैयारियां की जा रही है श्री राम जानकी मंदिर में श्री रामचंद्र जी की भव्य झांकी विराजमान की गई है और नित्य पूजा आरती के साथ सुबह प्रभात फेरी निकाली जाती है प्रभात फेरी श्री राम जानकी मंदिर से होकर पूरे नगर में भ्रमण करती है जिसका जगह-जगह स्वागत किया जा रहा है, प्रभात फेरी में शामिल श्रद्धालु भक्तों को अल्पाहार कराकर अस्पताल चौराहे के ब्रजधाम काम्पलेक्स मैं स्वागत किया गया एवं धीरज तिवारी ने अपने घर के सामने मिष्ठान प्रसाद से स्वागत किया। श्रीराम जन्मोत्सव आयोजन समिति के सदस्यो तरुण पाठक,

देवेंद्र सिंह बबलू यादव, कमल लालवानी, कल्लू शुक्ला, अशोक गुप्ता ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रभात फेरी का आयोजन प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 9 बजे के बीच किया जाता है। जिसमें उत्साहित श्रद्धालु भक्त बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। समिति के सदस्यों ने कहा कि रामनवमी के दिन स्वयं 4 बजे से श्रीराम जानकी मंदिर से विशाल शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें डीजे, बैंड, दलदल घोड़ी, और वाद्य यंत्रों के साथ नाचती है, हजारों श्रद्धालु भक्त शामिल होंगे शोभा यात्रा पन्ना नगर में भ्रमण करते हुए राम जानकी मंदिर पहुंचेगी समिति के सदस्यों ने सभी श्रद्धालु भक्तों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है।

एसएसटी द्वारा रखी जा रही निगरानी

पन्ना। लोकसभा निर्वाचन के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार के निर्देशन में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष निर्वाचन संपन्न कराने के लिए एसएसटी और एफएसटी दलों द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही है। जिले में अंतर्राज्यीय और अंतर जिला नाके स्थापित कर अलग-अगल पालियों में लोकसेवकों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। निर्वाचन के दौरान धनबल, बाहुबल तथा मादक पदार्थों का दुरूपयोग रोकने के लिए जांच दलों द्वारा तत्परता से कार्यवाही की जाती है। इस दौरान 50 हजार रूपए से अधिक नगदी पाए जाने पर वैध दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इसके अलावा अधिक मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण इत्यादि के संबंध में भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।

देवेन्द्रनगर में निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली

पन्ना। लोकसभा चुनाव में 26 अप्रैल को मतदान दिवस पर अधिकाधिक मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनअभियान परिषद एवं नगर परिषद देवेन्द्रनगर के संयुक्त तत्वाधान में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर मतदाताओं को लोकतंत्र में मतदान का महत्व बताया गया। साथ ही परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने के संबंध में जागरूक किया गया। नगर के मुख्य मार्गों से होकर

निकाली गई रैली में नगर व ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष व सचिव सहित छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की। इस दौरान मतदाता संगोष्ठी का आयोजन कर मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाई गई।

बस ऑनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

पन्ना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बस ऑनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस मौके पर लोकसभा निर्वाचन में संलग्न समस्त वाहनों के चालक, परिचालक और हेल्पर का शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आवश्यक जानकारी प्रदान की। बताया गया कि लोकसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए वाहनों का

अधिग्रहण किया गया है। आयोग के निर्देशानुसार वाहन में संलग्न कर्मियों का भी मतदान सुनिश्चित कराया जाना है। ड्राइवर, कंडक्टर और हेल्पर द्वारा निर्वाचन कर्त्तव्य प्रमाण पत्र के जरिए मतदान किया जा सकेगा। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा समय-सीमा में आवश्यक कार्यवाही की अपेक्षा की गई। साथ ही अनिवार्य रूप से 20 अप्रैल तक फार्म 12क प्राप्त कर प्रस्तुत करने के लिए कहा। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलाम्बर मिश्र एवं डिप्टी कलेक्टर आलोक मार्को भी उपस्थित रहे।

कृषी विभाग मे पदस्थ विस्तार अधिकारी विनोद सिंह चौहान की सड़क दुर्घटना मे मौत

पन्ना। गुनौर मे पदस्थ कृषी विभाग मे विकास विस्तार अधिकारी विनोद सिंह चौहान की सडक दुर्घटना मे मौत हो गई है, बताया जाता है कि श्री चौहान मोटर साईकिल से बराछ होते हुए गुनौर जा रहे थें। उसी दौरान बराछ पुलिस चौकी आंगे किसी अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार दी। जिससे चौहान बुरी तरह घायल हो गये। तत्काल लोगो द्वारा सूचना दी गई, जिस पर श्री चौहान को जिला अस्पताल इलाज के लिए पन्ना लाया गया। जहां पर डॉक्टरो द्वारा ईलाज किया गया लेकिन गंभीर चोटे लगने के कारण ईलाज के दौरान ही उनकी मृत्यु हो गई।

मतपत्रों में चुनाव चिन्ह के साथ उम्मीदवारों के फोटो भी होंगे

पन्ना। लोकसभा चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की बैलेट यूनिट पर चस्पा किये जाने वाले मतपत्रों में उम्मीदवारों के नाम, पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह के साथ फोटो तथा सर्विस वोटर्स को जारी किये जाने वाले डाक मतपत्रों पर उम्मीदवारों के नाम और पार्टी के नाम के साथ फोटो भी अंकित होंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा उम्मीदवारों के नाम, पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह के साथ मतपत्रों में फोटो अंकित करने के ये निर्देश एक ही या मिलते जुलते नाम के दो या दो से अधिक उम्मीदवारों के चुनाव लड़ने के पूर्व में सामने आये प्रकरणों को देखते जारी किये गये हैं। मतपत्रों पर उम्मीदवारों का फोटो उसके नाम और चुनाव चिन्ह के बीच में दो गुना ढाई सेंटीमीटर के आकार (स्टेम्प साइज) में अंकित किये जायेंगे। मतपत्रों पर फोटो अंकित करने के लिए उम्मीदवारों को अपने फोटो नाम निर्देशन पत्र के साथ ही प्रस्तुत करने कहा गया था। उम्मीदवारों से कहा गया था कि मतपत्रों पर अंकित करने के लिए उन्हें अपने ऐसे फोटो देने होंगे जो तीन माह से अधिक पुराने न हों। ज्ञात हो कि पहली बार विधानसभा चुनाव-2018 और उसके बाद लोकसभा चुनाव-2019 एवं विधानसभा चुनाव-2023 में भी मतपत्रों पर उम्मीदवारों के फोटो अंकित किये गये थे।

वोटर हेल्पलाइन एप पर हर दो घंटे में मिलेगी मतदान की अद्यतन स्थिति

पन्ना। लोकसभा चुनाव में मतदान केन्द्रों पर होने वाले मतदान के प्रतिशत की जानकारी आमजन को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग द्वारा मत प्रतिशत मोबाईल एप तैयार किया गया है। इस एप का उपयोग पीठासीन अधिकारी अथवा मतदान अधिकारी क्रमांक-एक द्वारा किया जायेगा। पीठासीन अधिकारी या मतदान अधिकारी क्रमांक एक द्वारा मत प्रतिशत एप पर ऑनलाइन दर्ज की गई मतदान की अद्यतन स्थिति आम नागरिकों को निर्वाचन आयोग द्वारा वोटर हेल्पलाईन एप के माध्यम से प्राप्त होगी। एप पर प्रत्येक पीठासीन अधिकारी अथवा मतदान अधिकारी क्रमांक-1 के मोबाईल नम्बर की मेपिंग उनके मतदान केन्द्र से की जायेगी। पीठासीन अधिकारी या मतदान अधिकारी क्रमांक-1 द्वारा मतदान प्रारंभ होने के पश्चात प्रत्येक दो घंटे में अपने मतदान केन्द्रों पर मतदान करने वाले पुरुष एवं महिला मतदाता की संख्यात्मक जानकारी दर्ज कर भेजी जायेगी, जो निर्वाचन आयोग के सर्वर में एकत्रित होगी। इस जानकारी को आम नागरिकों के लिये वोटर हेल्पलाइन एप पर प्रदर्शित किया जायेगा।

घर से चुरा ले गए 9 क्विंटल गेहूं

सतना। कोटर थाना क्षेत्र के महदेवा गांव से चोरों ने एक किसान का 5 क्विंटल गेहूं पार कर दिया, जिसकी शिकायत पुलिस से की गई है। बताया गया है कि जान्हवी नंदन पांडेय पुत्र स्वर्गीय दयानंद पांडेय के घर में शुक्रवार की रात को घुसे चोरों ने 9 बोरियों में भरा 5 क्विंटल गेहूं चोरी कर लिया। वारदात के दौरान पीड़ित और उनके परिजन गहरी नींद में सो रहे थे, जिससे किसी को भनक तक नहीं लगी। अगली सुबह चोरों की करतूत पता चलने से गांव में हडकंप मच गया। चोरी गए अनाज की कीमत लगभग 12 हजार से ज्यादा बताई गई है। इससे पूर्व कोटर कस्बे में ही चोरों ने एक घर के बाहर से 20 क्विंटल गेहूं पिकअप वाहन में लोडकर चोरी कर लिया था। लगातार हो रही अनाज की चोरी से थाना क्षेत्र के किसान डरे-सहमे हैं।

कलेक्टर ने मतदान दल के प्रशिक्षण का लिया जायजा

पन्ना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार ने रविवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित मतदान दलों के द्वितीय प्रिंशिक्षण का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने छत्रसाल महाविद्यालय सहित डाइट और मनहर कन्या उ.मा. विद्यालय पहुंचकर मतदानकर्मियों को मतदान प्रक्रिया, मशीन संचालन और निर्धारित प्रपत्रों में जानकारी की संपूर्ण प्रक्रिया से अवगत रहने के निर्देश दिए। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन प्रक्रिया संपादित कराने और निर्धारित प्रक्रियाओं का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मतदान निष्पक्ष, स्वतंत्र रूप से संपन्न हों, इसका उत्तरदायित्व मतदान दल और सेक्टर अधिकारी का होगा। इसलिए आवश्यक है कि ईव्हीएम मशीनों का संचालन करके भी देख लें। किसी समस्या पर मास्टर ट्रेनर्स से संपर्क कर समस्याओं का समाधान कराएं, जिससे मतदान दिवस के दिन किसी भी प्रकार की कठिनाईयों का सामना न करना पड़े।

उपार्जन केन्द्रों के लिए प्रभारी अधिकारी नियुक्त

रीवा। जिले के सभी खरीदी केन्द्रों के लिए प्रभारी अधिकारी (नोडल) नियुक्त किये गये हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने किसानों की सुविधा एवं उपार्जन केन्द्रों की सतत मानीटरिंग के लिए प्रभारी अधिकारी नियुक्त किये हैं। प्रभारी अधिकारी उपार्जित गेंहू के रखरखाव व उसके व्यवस्थित भण्डारण की भी मानीटरिंग भी करेंगे। सभी प्रभारी अधिकारी अपनी रिपोर्ट अपर कलेक्टर के माध्यम से प्रेषित करेंगे। खरीदी केन्द्रों में होने वाली अनियमितताओं के लिए केन्द्र प्रभारी/समिति प्रबंधक के साथ-साथ प्रभारी अधिकारी भी व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार होंगे। खरीदी केन्द्र गुढ़ एवं भैरवबाबा वेयरहाउस बोर्ड गुढ़ के लिए एसडीएम अनुराग तिवारी, पांती, गुढ के लिए तहसीलदार विनय मूर्ति शर्मा, रविशंकर चौरसिया वेयरहाउस के लिए नायब तहसीलदार तेजपती सिंह, कोनी, अतरैला, दोंदर, चौखण्डी एवं बरहुला के लिए नायब तहसीलदार राजेश कुमार शुक्ला, डभौरा वेयरहाउस क्रमांक एक व रिमारी के लिए तहसीलदार राजेन्द्र शुक्ला, जवा एवं भुनगांव के लिए एसडीएम पीयूष भट्ट, नौवस्ता, चन्द्रपुर एवं त्योंथर के लिए एसडीएम संजय कुमार जैन, त्रिवेदी वेयरहाउस लाद, किसान वेयरहाउस व परसिया एवं कुठिला के लिए तहसीलदार राजेश तिवारी, सोहागी, सोहरबा एवं बरहा के लिए नायब तहसीलदार द्वारिका प्रसाद दहायत, अमिलिकी, अतरैला चाक, सोनौरी व ढ़खरा के लिए नायब तहसीलदार भगवानदास रैदास तथा मांगी, रायपुर चाक, पड़री व अमाव के लिए नायब तहसीलदार वीरेन्द्र द्विवेदी को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इसी प्रकार कैप्टन वेयरहाउस मनगवां व विपांछी वेयरहाउस मनगवां के लिए एसडीएम प्रभाशंकर त्रिपाठी, गंगेव, गढ़ के लिए नायब तहसीलदार श्रीमती साधना सिंह, नवागांव, सूर्यकांत वेयरहाउस व दुअरा के लिए तहसीलदार नीलेश कुमार सिंह, कंदौला व कामता वेयरहाउस सिसवा के लिए नायब तहसीलदार राजीव कुमार शुक्ला, डेल्ही व दिव्यांश वेयरहाउस के लिए नायब तहसीलदार मनोज सिंह, विन्ध्या एग्रो जोगिनहाई व चन्द्रप्रभा वेयरहाउस के लिए तहसीलदार सुमित कुमार गुप्ता, व्यौहरा व मनिकवार के लिए नायब तहसीलदार शारदा प्रसाद प्रजापति, पड़रिया के लिए नायब तहसीलदार दीलिप कुमार श्रीवास्तव, सीपी वेयरहाउस कांकर, मालती वेयरहाउस भठवा व खैरहन के लिए तहसीलदार सोनाली देव, बालकृष्ण वेयरहाउस क्योटि के लिए नायब तहसीलदार रमाकांत तिवारी, बैकुण्ठपुर व तिलखन के लिए नायब तहसीलदार मनोज शुक्ला को प्रभारी अधिकारी बनाया गया।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर

सीधी, बुधवार 17 अप्रैल 2024

लोकसभा चुनाव में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। आयोग के निर्देशों के अनुसार जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार रथ मतदाता जागरूकता का संदेश दे रहे हैं।

चौखम्भा राज्य की अवधारणा को पूरा कर रहे मोदी : जनार्दन

रीवा। मोदी सरकार ने जाति, धर्म से परे जाकर सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास को पूरा करते हुए हर व्यक्ति को बराबरी का अधिकार दिया है। 10 वर्षों से सरकार ने समाज के अंतिम छोर में खड़े हर व्यक्ति के आंसुओं को पोछने का काम किया है। आजादी के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि सीधे गरीबों को उनका हक मिल रहा है। आज हर व्यक्ति विकास और गरीब कल्याण को महसूस कर रहा है। रीवा भाजपा प्रत्याशी जनार्दन मिश्रा सोनवर्षा, कोट, मौहरिया, भीर, अकौरी, दूबी सहित दर्जनों मनगवां विधानसभा के गांवों में सघन चुनावी जनसंपर्क एवं नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से बोलते हुए कही। श्री मिश्र ने कहा कि मोदी जी ने पिछले 10 वर्षो में चौखम्भा विकास की अवधारणा को प्रतिपादित किया है। लोकसभा, विधानसभा, जिला

और ग्राम पंचायतों को शक्तियों का विकेन्द्रीकरण कर उन्हें सशक्त और मजबूत करने का काम किया है। राजनैतिक सत्ता और आर्थिक व्यवस्था का विकेन्द्रीकरण करते हुए सामान्य मानवीय के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन करने का काम किया है। मोदी जी ने गरीब, युवा, किसान, महिलाएं जो देश के चौखम्भा है, उन्हें विकास की मुख्य धुरी में लाने का काम किया है। पहले हम जानते थे कि दो पहियों से विकास की गाड़ी चलती है, परन्तु मोदी जी ने उसे चार चक्के में खड़ा कर हर किसी को विकास से जोड़कर देश के अंदर राजनीतिक सत्ता का विकेन्द्रीकरण कर चौखभ्भा विकास के अवधारण को मूर्तरूप प्रदान किया। रीवा सांसद ने कहा कि आज हमारा देश युवाओं का देश है। सबसे बड़ी आबादी युवाओं की है। मोदी जी ने युवाओं के सपने को पूरा करने की छूट देकर उन्हें देश के विकास में अग्रदूत बनाने का काम किया है। आज हमारे युवा सपने देखते हैं तो उसे पूरा भी कर रहे हैं। युवाओं ने अंतरक्षित, खेल, स्टार्टप जैसे क्षेत्र में लम्बी छल्लांग लगाई है, और देश की तरक्की के दूत बने हुए हैं। मोदी जी ने अन्नदाता किसान को उर्जादाता बनाने के लिए कई काम किये हैं। पीएम कुसुम योजना किसानों के लिए वरदान तो हैं ही साथ ही किसानों को बीज से लेकर बाजार तक की सुविधा देकर उन्हें राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में अंगीकार कराया है।

मनगवां विधायक इंजी. नरेन्द्र प्रजापति ने रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा के साथ भ्रमण करते हुए नुक्कड़ सभाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज पूरे देश में भगवान राम की कृपा है, तो वहीं भाजपा के उपर भी उनका आशीष बरस रहा है। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा जी को तीसरी बार हम मनगवां विधानसभा के कार्यकर्ता प्रचण्ड जीत दिलाकर दिल्ली भेजेंगे। हर मतदाता मोदी सरकार में हुए विकास से उनका मुरीद हो चुका है। क्योंकि मोदी जी ने हर गरीब, मजदूर, बहनों के आंसू पोछने का काम किया है। पक्के आवास से लेकर गैस, पानी, दवाई, रोजगार, व्यवसाय हर चीज की चिंता दिल्ली में बैठकर मोदी जी कर रहे हैं। जनसंपर्क के दौरान स्थानीय भाजपा नेता उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी के नेता व पूर्व जिलाध्यक्ष विद्या प्रकाश श्रीवास्तव ने देवतालाब विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशी जनार्दन मिश्रा के पक्ष में चुनावी प्रचार करते हुए कहा कि जनार्दन मिश्रा के अंदर रीवा के विकास का जुनून है। हमें उन्हें प्रचण्ड जीत के साथ दिल्ली भेजना चाहिए।

बोरवेल की सूचना ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय को देना अनिवार्य : कलेक्टर

अनुपयोगी बोरवेल के संबंध में 30 अप्रैल तक कार्यवाही पूरी करें : कलेक्टर

रीवा । कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अधिकारियों को खुले बोरवेल बंद कराने के संबंध में निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी सभी निजी और सरकारी बोरवेलों का सर्वेक्षण कराएं। अनुपयोगी तथा खुले बोरवेलों की सूची तीन दिवस में तैयार कर सभी खुले बोरवेल बंद कराएं। जिन बोरवेलों में क्रेसिंग पाइप लगा हुआ है उन्हें लोहे के कैप से बंद कराएं। जिन बोरवेलों में क्रेसिंग पाइप नहीं हैं उन्हें पूरी तरह से भरकर बोरिंग मशीन से फिलिंग कराकर ठीक से बंद कराएं। इसके बाद उनके मुहाने को कंक्रीट से बंद कराएं। एसडीएम हर बोरिंग मशीन द्वारा खुले बोरवेल की फिलिंग का प्रतिदिन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम विकासखण्ड स्तर पर बैठक लेकर बोरवेल के संबंध में समुचित निर्देश तत्काल जारी करें। इस संबंध में पूर्व में भी निर्देश दिए गए हैं। इनका पालन सुनिश्चित कराएं। अनुपयोगी बोरवेल को बंद कराने की शत-प्रतिशत कार्यवाही 30 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से पूरी कराएं। ग्राम पंचायतवार तथा शहरी क्षेत्र में निकायवार सर्वेक्षण करके बोरवेलों की सूची संधारित करें। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। एसडीएम, जनपद के सीईओ तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूची का स्वयं सत्यापन करें। कार्यपालन यंत्री पीएचई अधीनस्थ अमले को इस संबंध में निर्देश देकर बोरवेलों को बंद कराने की कार्यवाही कराएं।

चुनाव प्रशिक्षण की हर जानकारी आत्मसात करें : कलेक्टर

रीवा। मतदान दल में शामिल मतदान कर्मियों को दूसरे चरण का प्रशिक्षण जिला मुख्यालय के चार प्रशिक्षण केन्द्रों में दिया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने टीआरएस कालेज में आयोजित प्रशिक्षण का जायजा लिया। कलेक्टर ने कहा कि मतदान दल के अधिकांश सदस्यों को मतदान कराने का अनुभव है। कुछ माह पूर्व संपन्न विधानसभा निर्वाचन में भी आप सबने कुशलता से मतदान संपन्न कराया है। चुनाव प्रशिक्षण में पूरी प्रक्रिया की बिन्दुवार जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण में दी जा रही हर जानकारी को आत्मसात करें। मतदान के संबंध में निर्वाचन आयोग के नवीनतम निर्देशों का भी अध्ययन कर लें। निर्देशों का पालन करते हुए मतदान प्रक्रिया संचालित करेंगे तो किसी भी तरह की कठिनाई नहीं आएगी। कई बार छोटी सी असावधानी से बड़ी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। इसलिए पूरी सावधानी के साथ मतदान की प्रक्रिया पूरी कराएं। कलेक्टर ने कहा कि मतदान केन्द्र में पहुंचने के बाद मतदान के लिए आवश्यक तैयारियाँ कर लें। सुबह निर्धारित समय पर मॉकपोल कराकर ईव्हीएम को क्लियर करके मतदान के लिए तैयार कर लें। व्हीव्हीपैट से मॉकपोल के बाद पर्चियाँ निकालकर काले लिफाफे में बंद करके सुरक्षित रख लें। मौके पर उपस्थित मतदान एजेण्टों को भी ईव्हीएम में मत शून्य होना प्रदर्शित करके दिखा दें। मतदान केन्द्र में मतदाता के अलावा केवल प्राधिकृत व्यक्ति को ही प्रवेश दें।

अपर कलेक्टर ने विभिन्न खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण

रीवा। अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने उपार्जन के लिए बनाये गये विभिन्न खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने गुढ़ में समिति गोदाम एवं भैरवबाबा स्थित खामडीह वेयरहाउस तथा महसांव खरीदी केन्द्र का निरीक्षण कर किसानों की सुविधा के लिए छाया, पानी की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने गेंहू की तौलाई सहित वाहनों के खड़े होने के स्थान एवं उपार्जित गेंहू के सुरक्षित भण्डारण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्र में किसानों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो तथा उपार्जित गेंहू का सुरक्षित भण्डारण और समय पर किसानों को भुगतान सुनिश्चित कराया जाय।

नोडल अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और तत्परता से कार्य करें : जिला निर्वाचन अधिकारी

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी नोडल अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और तत्परता से निर्वाचन संबंधी कार्य करें। सौंपी गई जिम्मेदारी के संबंध में निर्वाचन आयोग के निर्देशों तथा जिला निर्वाचन कार्यालय के निर्देशों का पालन करते हुए निर्वाचन संबंधी प्रक्रिया पूरी कराएं। निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रपत्रों में चाही गई जानकारियाँ प्रतिदिन यूआरएल में अपलोड करें। मतदान में अब कुछ ही दिन शेष हैं। मतदान से जुड़ी सभी तैयारियाँ समय पर पूरी कर लें। निर्वाचन कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर मतदान केन्द्र की मूलभूत सुविधाओं का सत्यापन कर लें। मतदान दलों को भोजन, ठहरने, पानी, बिजली आदि की सुविधा में किसी भी तरह की कमी न रहे। दिव्यांगों और बुजुर्ग मतदाताओं को 18 तथा 19 अप्रैल को होम वोटिंग की सुविधा दी जा रही है। इसके लिए तैनात 67 दलों को वाहन, वीडियोग्राफर तथा सुरक्षाकर्मियों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। नोडल अधिकारी डाक मतपत्र सभी मतदान कर्मियों को मतदान की सुविधा देने के लिए निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्राप्त कर सक्षम अधिकारी से हस्ताक्षरित ईडीसी जारी कराएं। सर्विस वोटरों के ईटीपीबीएस प्राप्त होने लगे हैं। इन्हें पुराने कलेक्ट्रेट भवन में बनाए गए स्ट्रांग रूम में प्रतिदिन सुरक्षित भण्डारित कराएं। स्ट्रांग रूम खोलने और बंद करने का समय निर्धारित कर इसकी सूचना उम्मीदवारों तथा राजनैतिक दलों को अवश्य दें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आयुक्त नगर निगम निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार मतदान सामग्री के विधानसभावार तथा मतदान केन्द्रवार थैले तैयार कर लें। सभी सहायक रिटर्निंग आफीसर मतदान सामग्री प्राप्त कर इसका चेकलिस्ट से मिलान करा लें जिससे सामग्री वितरण के समय किसी तरह की परेशानी न हो। ईव्हीएम मशीनों की कमीशनिंग इंजीनियरिंग कालेज में की जाएगी। इसकी भी सूचना उम्मीदवारों को अवश्य दें। विधानसभावार बनाए गए कक्षों में सभी सहायक रिटर्निंग आफीसर ईव्हीएम की कमीशनिंग कराएंगे। निर्वाचन कार्य के लिए आवश्यक वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें। सेक्टर आफीसरों तथा कार्यपालिक दण्डाधिकारियों को वाहन समय पर उपलब्ध कराएं। मतदान दलों के लिए अधिग्रहीत बसें 22 अप्रैल की शाम से इंजीनियरिंग कालेज में विधानसभावार उपलब्ध करा दें। जिससे इनमें जीपीएस सिस्टम लगाया जा सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि एक हजार से अधिक मतदान केन्द्रों में वेबकास्टिंग की जाएगी। इसके लिए 24 अप्रैल तक मतदान केन्द्रों में कैमरे स्थापित करा दें। जीपीएस सिस्टम तथा वेबकास्टिंग की निगरानी के लिए इंजीनियरिंग कालेज में पर्याप्त संख्या में टीवी लगवाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सेक्टर आफीसरों के साथ मेडिकल टीम की ड्यूटी लगा दें। मतदान सामग्री के साथ प्राथमिक उपचार की दवाओं का किट भी वितरित कराएं। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने व्यय लेखा निगरानी, शिकायतों के निराकरण, डाक मतपत्र से मतदान, स्ट्रांगरूम की व्यवस्था, मतदान केन्द्र की व्यवस्था, कम्युनिकेशन प्लान, स्वीप गतिविधि तथा कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई कार्यवाहियों की समीक्षा की। बैठक में प्रभारी अधिकारी प्रशिक्षण डॉ सौरभ सोनवणे ने बताया कि निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण का कार्य लगभग पूरा हो गया है।

डाकमत पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गये स्ट्रांग रूम का जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया निरीक्षण

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए ईटीपीबी एवं होम वोटिंग के प्रतिदिन प्राप्त होने वाले डाकमत पत्रों को पुराने कलेक्ट्रेट भवन के कक्ष क्रमांक 15 में निर्मित स्ट्रांग रूम में प्रोटोकॉल के तहत सुरक्षित रखा जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने डाकमत पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गये स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया तथा आवश्यक निर्देश दिये। जिला निर्वाचन

अधिकारी ने निर्देश दिये कि स्ट्रांग रूम में मतपत्रों की सुरक्षा के उचित प्रबंध करें। डाक विभाग से समन्वय बनाकर प्रतिदिन डाकमत पत्र प्राप्त कर उनका सुरक्षित भण्डारण करायें। स्ट्रांग रूम में सीसीटीव्ही कैमरा चालू हालत में रहे तथा सुरक्षा के लिए सुरक्षा गार्ड तैनात रहें। उन्होंने निर्देशित किया कि डाकमत पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिदिन शाम 5 बजे स्ट्रांग रूम खोला जाय तब अभ्यर्थियों या उनके प्रतिनिधि की उपस्थिति अनिवार्यतः रहे। स्ट्रांग रूम में एक रजिस्टर का संधारण किया जाय जिसमें स्ट्रांग रूम खोले जाने के समय व बंद होने के समय में उपस्थिति व्यक्तियों के अनिवार्यतः हस्ताक्षर लिये जांय। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले एवं प्रभारी अधिकारी स्ट्रांग रूम नायब तहसीलदार अरूण यादव उपस्थित रहे।

चुनाव प्रशिक्षण से अनुपस्थित 62 कर्मचारियों को मिला नोटिस

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 के प्रथम मतदान प्रशिक्षण में बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने वाले 62 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। प्रभारी अधिकारी मतदान दल गठन डॉ सौरभ सोनवणे ने संबंधितों को दो दिवस में समक्ष में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनायन पटेल, शान्ती केवट, अशोक, छोटवा कोल, दिनेश कुमार, मनभरण कुशवाहा, मोहित लाल यादव, राजेन्द्र कोल, रामदास साकेत, रामलाल साकेत, रामाश्रय यादव, संतोष कुमार द्विवेदी, उमाकांत पाण्डेय, ऋष लाल कोल, प्रमोद रजक, बेबी केवट, रजवंती कुशवाहा, रामनिवास, रामप्रसाद कोटवार, सूर्यकांत त्रिपाठी, सुरेश मिश्रा, सुरेश वर्मा, हरदत्त साहू को भी नोटिस दिया गया है।

कलेक्टर ने ईडीसी वितरण व्यवस्था का लिया जायजा

निर्वाचन कार्य में तैनात प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी को मतदान का अवसर मिलेगा

रीवा। मतदान दल के सदस्यों को दूसरे चरण का चुनाव प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सभी मतदान कर्मियों को मताधिकार के उपयोग की सुविधा देने के लिए निर्धारित प्रपत्र में आवेदन भरवाकर ईडीसी जारी किए जा रहे हैं। ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय में ईडीसी जारी करने के लिए विधानसभावार अलग-अलग कक्षों में व्यवस्था की गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने ईडीसी वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने कहा कि निर्वाचन कार्य में तैनात प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी को मतदान का अवसर मिलेगा।

जिन व्यक्तियों के नाम रीवा संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल हैं उन सभी को निर्धारित प्रपत्र में आवेदन लेकर ईडीसी जारी की जा रही है। सभी अधिकारी और कर्मचारी अनिवार्य रूप से आवेदन देकर अपने ईडीसी प्राप्त करें। जिससे उन्हे मतदान का अवसर मिल सके।

कलेक्टर ने कहा कि प्रभारी अधिकारी ईडीसी जारी किए गए तथा प्रपत्र भरकर वापस लौटे आवेदनों की विधानसभावार सूची तैयार कर लें। सक्षम अधिकारियों से हस्ताक्षर कराकर निर्वाचन कार्य में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों के ईडीसी जारी करा दें। कलेक्टर ने मतदान कर्मियों, सुरक्षा बलों तथा अन्य निर्वाचन ड्यूटी में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों के ईडीसी जारी करने के संबंध में निर्देश दिए। मौके पर उपस्थित जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे ने ईडीसी के संबंध में प्रपत्रों के वितरण और प्रपत्र जमा करने के संबंध में विधानसभावार जानकारी दी।

रीवा की वेदिका का यूपीएससी में हुआ सिलेक्शन, पूरे विंध्य को किया गौरवांवित

वेदिका बंसल ने अर्जित किया ऑल इंडिया 96वीं रैंक

रीवा। आज यूपीएससी का परिणाम आने के बाद हेडगेवार निवासी मीना बंसल पत्नी स्व.अरुण बंसल की बेटी सुश्री वेदिका बंसल ने पूरे भारत में 96वीं रैंक लाकर अपने माता-पिता के सपनों को पूरा किया साथ ही गुरुजनों एवं मार्गदर्शकों के विश्वास में खरी साबित हुई।वेदिका की प्राइमरी शिक्षा 5वीं ज्योति हायर सेकंडरी स्कूल से की आगे की शिक्षा वाइनबर्ग एलेन मसूरी से पूरी की।दो साल दिल्ली में बाजीराव संस्थान से तैयारी की। ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से अपनी सफलता अर्जित की। बचपन से उच्च सेवा के प्रति आकर्षण की भावना से मोहित होकर अपनी पढ़ाई पूरे लगन से

जारी रखी और प्रथम प्रयास में ही 96 वीं रैंक लाकर अग्रवाल समाज रीवा का नाम पूरे मध्यप्रदेश में रौशन किया । उनकी इस उपलब्धि से अग्रवाल समाज अध्यक्ष एड.सुनील अग्रवाल, एड. नूतन अग्रवाल,मंडल अध्यक्ष सौरव अग्रवाल सनी, एड.मनोज अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, डॉ.हरिओम गुप्ता, डॉ.सुभाष अग्रवाल, शेखर अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल पप्पू, अरुण अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, सिद्धार्थ अग्रवाल, शारदा प्रसाद अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल,सागर अग्रवाल,विजय पुरवार, गजेंद्र गुप्ता, इंजी.विष्णु अग्रवाल,सतीश अग्रवाल, गीता अग्रवाल, गीतिका डालमिया, लता संथालिया, लता आर्या,सुनयना अग्रवाल,अंजू अग्रवाल, सुनीता चमड़िया, राकेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, डॉ.राजेश सिंघल, डॉ.अमित अग्रवाल, डॉ.प्रियंका अग्रवाल, महेश अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, ममता बंसल, दीपक, पटेल आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उज्वल भविष्य की कामना के साथ हर्ष व्यक्त किया।

तराई क्षेत्र के बड़े आदिवासी नेता श्यामलाल कोल ने छोड़ी बहुजन समाज पार्टी

विधायक अभय मिश्रा ने दिलाई कांग्रेस की सदस्यता

रीवा। कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में अब अन्य दलों से टूट टूट कर आने वालों की श्रृंखला बढ़ती जा रही है। बीच में वह लोग भाजपा में शामिल हो गए थे, लेकिन जब वहां की असलियत जानी तो फिर से अपनी मूल धारा में जुड़ रहे हैं।

मंगलवार की सुबह कांग्रेस के सेमरिया विधायक अभय मिश्रा के हाथों सिरमौर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत तराई अंचल के आदिवासी नेता और बहुजन समाज पार्टी के कद्दावर नेता श्याम लाल आदिवासी के साथ क्षेत्र के लगभग एक सैकड़ा

से ज्यादा आदिवासी समाज से जुड़े लोगों ने कांग्रेस का दामन थाम लिया। इस दौरान श्याम लाल आदिवासी ने कहा कि भाजपा में पहले प्रलोभन दिया जाता है लेकिन जब इनका काम हो जाता है तो दूध में पड़ी मक्खी की तरह निकाल कर बाहर फेंक देते हैं। आरोप लगाते हुए इन्हो ने कहा है कि जिन्हें 10 साल हमने सांसद बना कर रखा, वह हमारे जैसे लोगों को अपमानित करते हैं, काम की बात तो बहुत दूर की है। इन्होंने कहा कि कांग्रेस ही उनकी मूल धारा वाली पार्टी है लेकिन वह लोग भटक गए थे अब घर वापसी कर रहे हैं। इसी क्रम में सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के जिला पंचायत के पूर्व सदस्य जोखू लाल आदिवासी और सुंदरलाल आदिवासी जवा ने भी लगभग आधा सैकड़ा लोगों ने कांग्रेस ज्वाइन की तथा कहा कि पहली बार यह मौका मिल रहा है जब किसी महिला प्रत्याशी को हमें चुनकर संसद भेजना है, हम लोग तन मन से समर्पित होकर कांग्रेस के लिए काम करेंगे। वहीं सिरमौर क्षेत्र के बहुती से आए आधा सैकड़ा लोगों ने नवीन सिंह के नेतृत्व कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। सभी को सदस्यता दिलाते हुए विधायक अभय मिश्रा ने सभी को कांग्रेस का अंग वस्त्र पहनाते हुए कहां की पर्याप्त सम्मान होगा और सभी से आग्रह किया कि वह अभी से ही कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन और प्रचार अभियान में जुट जाएं।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833